www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 188 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
30 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:58
सूर्यास्तः 05:54
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 33°00



पेज 07

विशेष समाचार | मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध... >>पेज 04 | मथुरा में 3 और 4 अक्टूबर को ... >>पेज 06 | रकुल प्रीत-वाशु भगनानी के ठिकानों ...

बाढ़ प्रभावितों को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश, टूटे तटबंध की मरम्मत और नारायणी की ड्रेजिंग पर दिया जोर

फसल नुकसान का 10 दिन में दें मुआवजा: योगी

जायजा

तमसा संकेत, एजेंसी

कुशीनगर। नेपाल में हुई भारी बारिश के बाद नारायणी नदी में अचानक बढ़े पानी के दबाव से सोमवार देर रात जवहीं दयाल (चैनपट्टी) के ततवा टोला के पास एपी तटबंध का हिस्सा टूट गया। इसके बाद आसपास के गांवों में बाढ़ का पानी फैल गया और बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचे और हवाई सर्वेक्षण कर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर राहत सामग्री और लंच पैकेट वितरित किए। मुख्यमंत्री ने प्रभावित लोगों को आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में सरकार उनके साथ है और राहत एवं बचाव कार्य में किसी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सामान्य दिनों में नारायणी नदी में करीब तीन से चार लाख क्यूसेक पानी आता है, जबकि सोमवार को अचानक करीब साढ़े पांच लाख क्यूसेक पानी पहुंच गया। पानी के बढ़े दबाव के कारण एपी तटबंध से सटे कई गांव प्रभावित हुए। तटबंध टूटने की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्र में एनडी-आरएफ और एसडीआरएफ की दो-दो टीमें तथा पीएसी की फ्लड यूनिट तैनात की गई हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

5.5 लाख क्यूसेक पानी आने से बिगड़े हालात | 5000 राहत पैकेट की व्यवस्था



बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने तटबंध टूटने से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के साथ ही सुरक्षित स्थानों पर शरण लिए ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों को चॉकलेट और प्रभावित लोगों को लंच पैकेट वितरित किए। इसके बाद मुख्यमंत्री सेवरही क्षेत्र के इंटर कॉलेज बेदुपार पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध कराई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार दिनों से प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण स्थिति चुनौतीपूर्ण रही। इसी बीच नेपाल में अतिवृष्टि के चलते नारायणी नदी में अचानक भारी मात्रा में पानी आया।





नारायणी की ड्रेजिंग और चैनलाइजेशन के निर्देश

मुख्यमंत्री ने जलशक्ति मंत्री और सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि स्थिति सामान्य होने के बाद नारायणी नदी की ड्रेजिंग और चैनलाइजेशन कराया जाए। इसका उद्देश्य नदी के प्रवाह को व्यवस्थित करना और तटबंध के आसपास बसे गांवों को भविष्य में बाढ़ के खतरे से बचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदी के प्रवाह को व्यवस्थित करने के साथ तटबंध को भी मजबूत किया जाएगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के दौरान प्रत्येक व्यक्ति की जान की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है।

फसल नुकसान का 10 दिन में मिलेगा मुआवजा



मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 15 से 16 गांवों में धान, गन्ना और सब्जी समेत विभिन्न फसलों को नुकसान होने की आशंका है। उन्होंने प्रशासन को फसल क्षति का सर्वे कराने और सर्वे के आधार पर 10 दिनों के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति सामान्य होने के बाद एपी तटबंध को और मजबूत किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अगले पांच से छह दिनों तक प्रभावित क्षेत्र में लगातार मेडिकल कैंप लगाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों के लिए 5000 राहत पैकेट की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक पैकेट में चावल, आटा, दाल, आलू, लाई, चना, तेल, मसाला और नमक समेत कुल 35 तरह की सामग्री शामिल है। उन्होंने बताया कि एक पैकेट का कुल वजन करीब 50 किलो है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। राहत सामग्री वितरण के साथ प्रभावित परिवारों की जरूरतों का भी आकलन कराया जा रहा है।

जनहानि पर चार लाख रुपये की सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा में जनहानि होने पर प्रभावित परिवार को तत्काल चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों के मकान पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नया आवास उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिन मकानों को नुकसान पहुंचा है लेकिन वे मरम्मत योग्य हैं, उनके लिए भी नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया है।

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल की यूपी की राजनीति में एंट्री

बोलीं- डरूंगी नहीं, हिसाब मांगूंगी, किसी पार्टी का नहीं

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी की पूर्व IAS दिव्या मित्तल राजनीति में उतरेंगी। उन्होंने मंगलवार सुबह 8.30 बजे फेसबुक पर वीडियो जारी करके इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा- यूपी में ही रहूंगी। डरूंगी नहीं, सवाल करूंगी। मुझे पैसा और बाहुबल नहीं चाहिए। सिर्फ आप लोगों का साथ चाहिए। 2013 बैच की IAS रहीं दिव्या ने 30 अगस्त को नौकरी से इस्तीफा दिया था। 14 सितंबर को उनका इस्तीफा मंजूर हो गया था। तभी से उनके फ्यूचर प्लान को लेकर कयास लगाए जा रहे थे।

>> (शेष पेज 06 पर)



दिव्या मित्तल ने कहा- मैं किसी पार्टी के साथ नहीं जुड़ूंगी। अकेले चलूंगी। मेरा मकसद राजनेता बदलना नहीं, बल्कि पूरी राजनीति को बदलना है। हमारी राजनीति में सत्ता है, शिलान्यास है, शोर है, लेकिन सोच नहीं है। मुझे अपने देश की आजादी के 80 सालों का हिसाब चाहिए। दिव्या मित्तल के ऐलान के बाद संवाददाता ने उनसे बात की।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

असम राइफल्स का जवान शहीद, 4 घायल

गोलीबारी

तमसा संकेत, एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6:30 बजे हुआ।

शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है।



गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए।

फास्ट न्यूज

मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा का ऐलान वापस

मेरठ। मेरठ में हिंदूवादी संगठनों ने मंगलवार को मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा पाठ करने का ऐलान किया। इसके बाद से पुलिस अलर्ट हो गई है। इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 5 थानों के करीब 100 से अधिक पुलिसवाले तैनात कर दिए गए।

राहुल गांधी 13 दिन में दूसरी बार आएंगे एमपी

भोपाल। मध्यप्रदेश के बालाघाट में बैगा आदिवासी बच्चों की मौतों के बीच राहुल गांधी 1 अक्टूबर को बालाघाट आएंगे। वे बैहर और बिरसा के प्रभावित आदिवासी इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। बालाघाट में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 32 बच्चों की मौत हो चुकी है। राहुल गांधी का 13 दिन में मध्यप्रदेश में यह दूसरा दौरा होगा। इससे पहले वे 19 सितंबर को इंदौर आए थे। यहां उन्होंने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। कार्यक्रम से पहले उन्होंने लिखा था- 30 से ज्यादा आदिवासी बच्चों की बीमारी, कुपोषण मौतें हो रही हैं।

एके-47 से लैस पुलिस से आरोपी को छुड़ा ले गए

सीधी। सीधी जिले में अज्ञात बदमाशों ने ओडिशा पुलिस की टीम पर हमला कर दिया। 3 गाड़ियों में पहुंचे बदमाशों ने पुलिस की गाड़ी को घेरकर तीन बार गोलियां चलाईं। बेसबॉल बैट से तोड़फोड़ की, फिर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट के आरोपी को छुड़ा ले गए।

सीआईएसएफ जवान ने साथियों पर गोली चलाई, 4 की हुई मौत

जम्मू के कठुआ में विवाद के बाद फायरिंग, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में मंगलवार को CISF कैंप में फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। बसोहली इलाके में तैनात एक CISF जवान ने अपने ही साथियों पर गोली चला दी। इस घटना में चार जवानों की मौत हो गई। मृतकों में एक असिस्टेंट कमांडेंट भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, CISF के जवान कठुआ के बसोहली क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे मशका गांव में सेवा-III पावर प्रोजेक्ट की सुरक्षा में तैनात थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दो जवानों के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ने के बाद एक जवान ने अचानक अपने साथियों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में चार CISF जवानों की मौके पर ही मौत होने की जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही कठुआ पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और फायरिंग के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए CISF के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।



₹2700 की दवा पर कीमत ₹27 हजार कैसे लिखी ■ हर साल ₹5,381 करोड़ का दवा कारोबार

कैंसर दवाओं की ऊंची कीमत नरसंहार जैसी : सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि 2700 की कैंसर की दवा पर MRP 27,000 क्यों है। कोर्ट ने दवाओं की कीमतों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह नरसंहार है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को दवाओं की कीमत और जेनेरिक दवाओं से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता मौजूद थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अगर मरीज सरकारी योजना में इलाज करा रहा है तो इतनी बढ़ी हुई कीमत का भुगतान कौन करता है। इसका बोझ सरकारी खजाने और टैक्सपेयर्स पर ही पड़ता है। प्राइवेट हॉस्पिटल इंडस्ट्री की तरह काम कर रहे हैं। वे अपनी फार्मेसी से ही दवा खरीदने को मजबूर करते हैं। सरकार की ओर से तुषार मेहता ने कहा- फार्मा कंपनियां लाभ कमाने वाली नहीं हैं। ऐसा लगता है कि लाभ कमाने वाले निजी अस्पताल हैं। याचिकाकर्ता का दलील- जिन दवाओं की कीमत सरकार तय करती है, उनका बाजार में हिस्सा कम है। जिनकी कीमत सरकार तय नहीं करती, उनकी करीब 80% से ज्यादा हिस्सेदारी है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा- इससे दवाओं की कीमत और मरीजों के इलाज का खर्च बढ़ सकता है।



कोर्ट ने कहा- यह नरसंहार है। यह कैसे हो रहा है? कॉर्पोरेट किसी को नहीं बख्शते, शव भी बाहर नहीं जाने देते। सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, 2024-25 में भारत में कैंसर-रोधी दवाओं की सालाना बिक्री ₹5,281 करोड़ रही।

कैसे तय होती है दवा की कीमत

1. ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ) जरूरी दवाओं की कीमत कंट्रोल करता है। 2013 के डीपीसीओ तहत नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स (एनएलईएम) में शामिल दवाओं की अधिकतम कीमत सरकार तय करती है।
2. बाजार में बिक रही दवाओं की कीमत के आधार पर जरूरी दवाओं की अधिकतम सीमा तय की जाती है। इससे ज्यादा कीमत पर दवा बेचना गैरकानूनी है।
3. स्वास्थ्य मंत्रालय दवाओं की सुरक्षा, असर और कीमत को देखते हुए जरूरी दवाओं की लिस्ट बनाता है। इसमें देश में आम बीमारियों और लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों का ध्यान रखा जाता है।
4. इस लिस्ट की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जरूरत के अनुसार नई दवाएं जोड़ी जाती हैं। जो दवाएं इस सूची में नहीं होतीं, उनकी कीमतों पर सरकार का सीधा नियंत्रण कम होता है।

बातचीत : मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके, कांग्रेस की आयोग-सरकार के खिलाफ रणनीति पर बैठक

पिछले कई चुनावों में फिक्सिंग हुई : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, "मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं।" बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। SIR तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस ने कहा कि उनकी पार्टी वोटर लिस्ट और चुनाव प्रक्रिया में कथित गड़बड़ी के मुद्दों को संसद में उठाएगी और प्रदर्शन करेगी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) चीफ राज ठाकरे ने मंगलवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि MNS और शिवसेना (UBT) 4 अक्टूबर को चुनाव आयोग के खिलाफ मुंबई में प्रदर्शन करेंगी। इसके बाद से विपक्षी दल ज्ञानेश कुमार पर मनमानी के आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने 24 सितंबर को ज्ञानेश पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। CJP ने भी कहा था कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को चुनाव आयोग के फैसलों पर सवाल उठाने वाली याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई करने की सहमति दी है। याचिका में ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता वाले चुनाव आयोग के फैसलों पर सवाल उठाए गए हैं।



23 सितंबर : ईसी के अंदर मतभेद की रिपोर्ट सामने आई

23 सितंबर को इंडियन एक्सप्रेस की चुनाव आयोग के अंदर मतभेद से जुड़ी रिपोर्ट आई थी। इसके मुताबिक, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग के फैसलों पर लिखित आपत्ति जताई थी। इनमें फॉर्म 6, SIR और ECINet से जुड़े फैसले शामिल थे।



खड़गे की CWC में 5 प्रमुख मांगें

- वोटर लिस्ट में बदलाव के सभी आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं।
- जिन वोटर्स के नाम हटा दिए गए हैं उन्हें अपील करने का मौका मिलना चाहिए।
- सभी राजनीतिक दलों को समय पर सरल प्रारूप में वोटर लिस्ट दी जानी चाहिए।
- जहां भी गंभीर गड़बड़ी के सबूत मिले हैं, वहां स्वतंत्र और समयबद्ध जांच होनी चाहिए।
- चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाना चाहिए ताकि किसी को यह न लगे कि जानकारी छिपाई जा रही है।

राहुल ने कहा, चाहे ईवीएम हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रहे है।"

'एसआईआर में स्थानीय अफसरों को ज्यादा अधिकार मिलें'

महाराष्ट्र सीईओ ने भी लेटर लिखा था, 4 मांगें की थीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। चुनाव आयोग के पोर्टल ECINet में स्थानीय चुनाव अधिकारियों के अधिकारों को लेकर उठे सवालों के बीच महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस चोकलिंगम का 24 सितंबर को लिखा लेटर मंगलवार को सामने आया। चोकलिंगम ने इसमें वोटर रिकॉर्ड की गड़बड़ियों से जुड़े मामलों में ERO को ज्यादा अधिकार देने और सॉफ्टवेयर में 4 बदलाव की मांग की थी। उनका कहना था कि किसी वोटर के रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने पर हर मामले में एक जैसी प्रक्रिया लागू नहीं होनी चाहिए। इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर यानी ERO को यह तय करने का अधिकार होना चाहिए कि किस वोटर को सुनवाई के लिए बुलाना है, कौन से दस्तावेज लेने हैं और किन मामलों को अपने स्तर पर निपटाया जा सकता है। उनसे पहले चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी भी ECINet में स्थानीय अधिकारियों के अधिकार सीमित करने पर आपत्ति जताने की खबरें आई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि दोनों ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार आयोग के फैसलों पर लिखित आपत्ति जताई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



स्कूल में खून से सने शव मिले, फावड़े-कुल्हाड़ी से वारदात, ब्लॉक शिक्षक संघ अध्यक्ष भी थे

सरकारी प्रिंसिपल और पत्नी की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में सरकारी प्रिंसिपल और उनकी पत्नी की हत्या कर दी गई। दोनों के शव उनके निजी स्कूल परिसर में खून से सने मिले हैं। उन पर फावड़े और कुल्हाड़ी से हमला किया गया है। वारदात का पता मंगलवार सुबह 6 बजे चला, जब स्कूल ड्राइवर गाड़ी की चाबी लेने पहुंचा। प्रिंसिपल मुकेश सिंह (45) ब्लॉक शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी थे।

इस बार भी वह शिक्षक संघ चुनाव लड़ रहे थे। वोटिंग 30 सितंबर को होनी थी, लेकिन 2 दिन पहले यानी 28 सितंबर को चुनाव टल गया। घटना जिला मुख्यालय से 55 किमी दूर कादीपुर कोतवाली क्षेत्र के कुंभी डडिया गांव की है। प्रिंसिपल की पत्नी विनीता (43) निजी स्कूल चलाती थीं। उन्होंने पिछला जिला पंचायत का चुनाव भी लड़ा था। स्कूल से 1 किमी दूर उनका पैतृक घर है। प्रिंसिपल खनुहट के कंपोजिट विद्यालय में तैनात थे। वारदात की सूचना पर SP विनीत जायसवाल और सीओ कादीपुर विनय गौतम फोर्स के साथ पहुंचे।

मुकेश पहले शिक्षामित्र थे। 2009 में वो सहायक अध्यापक बने और 2013 से लगातार मोतिगरपुर में शिक्षक संघ अध्यक्ष हैं। पत्नी विनीता सिंह ने 2002 में गांव में मनराजी शिक्षण संस्थान खोला था।



पिता किसान, बड़ा भाई सरकारी टीचर और छोटा भाई बैंककर्मी

मुकेश के पिता राम बदन सिंह किसान थे। उनका काफी पहले निधन हो चुका है। परिवार में करीब 35 बीघा पैतृक जमीन है। मुकेश तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। बड़े भाई अवधेश सिंह पीजी कॉलेज गाजीपुर में शिक्षक हैं।

गांव वालों ने बताया कि मुकेश और विनीता स्कूल परिसर के एक हिस्से में रहकर पैतृक आवास की देखरेख करते थे। मंगलवार सुबह करीब 6 बजकर 10 मिनट पर बस ड्राइवर और टीचर राकेश यादव चाबी लेने पहुंचा था। ऑफिस की तरफ जाते समय उसने कमरे में विनीता का शव पड़ा देखा। पास में खून से सना फावड़ा पड़ा था। ड्राइवर ने काम करने वाली सरिता और अपने दोस्त को जानकारी दी।





66 एसपी विनीत जायसवाल ने बताया- आज सुबह पति-पत्नी के शव मिलने की सूचना मिली थी। हमारी फील्ड यूनिट की टीम भी मौके पर मौजूद है। हमारी कई टीमें गठित की गई हैं और लगातार इस पर काम चल रहा है। घर वालों से भी संपर्क किया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

150 मीटर की दूरी पर पड़े थे पति-पत्नी के शव

कुंभी डडिया गांव में मुकेश सिंह का पैतृक आवास है। पत्नी विनीता सिंह के साथ वह रहते थे। दोनों का इकलौता बेटा अभ्युदय (20) दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा है। विनीता गांव में ही घर से 1 किमी दूर मनरागी इंटर कॉलेज चलाती थीं। स्कूल में 17 शिक्षक और कर्मचारियों का स्टॉफ है। स्कूल में 550 बच्चे पढ़ाई करते हैं। घटना की सूचना पर एसपी और सीओ मौके पर पहुंचे। मौके की जांच के बाद स्कूल परिसर में कुल्हाड़ी और चाकू भी बरामद हुआ। पुलिस ने बेटे और भाइयों को वारदात की सूचना दे दी है।

श्राद्ध कर रहे परिवार के 5 लोगों की मौत

झांसी में एक को बचाने में सभी नदी में डूबे, मृतकों में बाप-बेटे

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में श्राद्ध कर्म के दौरान बड़ा हादसा हो गया। सुखनई नदी में एक ही परिवार के 5 लोग डूब गए। हादसे में बाप-बेटे, भतीजे और भांजे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस गोताखोरों को लेकर मौके पर पहुंची। करीब 30 मिनट तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर पांचों शवों को बाहर निकाला गया। मामला मऊरानीपुर थाना क्षेत्र का मंगलवार दोपहर 12 बजे का है। देवीसिंह पुरा में रहने वाले अनूप तिवारी (45) अपने बेटे अर्पित (12), भांजे पुष्कर शुक्ला (23), भतीजे अभिनय तिवारी (26) और श्रेयांश तिवारी (21) के साथ सुखनई नदी के किनारे पिंडदान करने गए थे। पुष्कर जालौन का रहने वाला था। अनूप पूजा करने नदी में उतरे। वह नदी के बीच पहुंचे ही थे कि डूबने लगे। उनको डूबता देखकर अर्पित, पुष्कर, अभिनय और श्रेयांश उन्हें बचाने के लिए नदी में कूदे।





फास्ट न्यूज

एक्सप्रेसवे पर अवैध ढाबे-स्टैंड हटेंगे, ओवरलोडिंग पर कसेगा शिकंजा

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम ने सड़क हादसों की रोकथाम के लिए आमजन में जागरूकता बढ़ाने और उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम ने एआरटीओ प्रवर्तन को निर्देशित किया कि जिन स्कूल वाहनों की फिटनेस समाप्त हो चुकी है, उनकी अनिवार्य रूप से फिटनेस कराई जाए।

बहगुल नदी के कटान से खेत नदी में समाए

बरेली। बरेली के बहेड़ी तहसील के भैरपुरा गांव में बहगुल नदी का कटान बढ़ गया है। नदी का पानी बढ़ने से किसानों की कई बीघा जमीन और फसलें कटकर नदी में बह गई हैं। इससे ग्रामीणों के सामने पैसों की दिक्कत खड़ी हो गई है। कुछ घर भी कटान की चपेट में आ गए हैं। इस दिक्कत को लेकर भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के जिला अध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी की अगुवाई में किसान नेताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया। किसानों ने मांग की कि सिंचाई विभाग और बाढ़ खंड की टीम को मौके पर भेजकर तुरंत कटान रोकने की व्यवस्था की जाए।

कौशांबी में चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी पकड़े

कौशांबी। कौशांबी में संदीपन-घाट पुलिस ने 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत दो आरोपियों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा है। यह गिरफ्तारी मंगलवार शाम 4 बजे हुई। पुलिस ने उनके पास से चोरी की बाइक और 4,850 रुपये नकद बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने प्रयागराज के मंसूराबाद और रसूलपुर इलाके से दो और बाइक चोरी करने की बात कबूल की है।

चार दिन से सड़क पर लटक रहा पेड़, हादसे को दी दावत

प्रशासनिक अधिकारियों की आवाजाही के बावजूद नहीं हटाया गया पेड़

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरयू-घाघरा नदी में बढ़ते जलस्तर और लगातार हो रहे कटान के चलते इन दिनों हेतमापुर क्षेत्र में लोगों की आवाजाही बढ़ी हुई है। बाढ़ प्रभावित गांवों का जायजा लेने के लिए जिले से लेकर तहसील स्तर तक के अधिकारियों और कर्मचारियों का भी लगातार आवागमन बना हुआ है। इसके बावजूद सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग के बल्लोपुर चौराहे के आगे एक ऐसा खतरा पिछले चार दिनों से जस का तस बना हुआ है, जो किसी भी समय हादसे का कारण बन सकता है। सूरतगंज-हेतमापुर मार्ग पर बल्लोपुर चौराहे से आगे करीब डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर एक विलायती बबूल का पेड़ टूटकर सड़क की ओर लटक रहा है। पेड़ का काफी हिस्सा मार्ग की ओर झुका होने के कारण सड़क से गुजरने वाले राहगीरों,



बाइक सवारों, चारपहिया वाहनों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों के लिए खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के मुताबिक पेड़ पिछले करीब चार दिनों से इसी तरह लटका हुआ है, लेकिन अभी तक उसे न तो काटकर हटाया गया और न ही सुरक्षित तरीके से रास्ते से अलग किया गया है। हेतमापुर क्षेत्र में इन दिनों बाढ़ और भीषण कटान की स्थिति को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों का लगातार आना-जाना हो रहा है। राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण भी किया जा रहा है।

21 साल बाद लिया पिता की हत्या का बदला

दो बेटों ने चाचा संग पड़ोसी को बांके से काट डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। पीलीभीत में 21 साल पहले हुई पिता की हत्या का बदला लेने के लिए दो बेटों ने चाचा के साथ मिलकर दोषी पड़ोसी की बांके से काटकर हत्या कर दी। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे गांव में टहलने निकले पिता के हत्यारे को दोनों बेटों ने चाचा के साथ मिलकर घेर लिया। आरोप है कि तीनों ने उसके सिर पर बांके से ताबड़तोड़ कई वार किए। इससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। वारदात के बाद तीनों फरार हो गए। मामला जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र का है। मृतक की पहचान बिलहरी गांव निवासी वेदराम (48) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वेदराम ने 2005 में अपने पड़ोसी नंदराम की हत्या कर दी थी। इस मामले में उसे 5 साल की सजा हुई थी। 2012 में जेल से बाहर आने के बाद भी दोनों परिवारों के बीच रंजिश बनी रही। पुलिस के मुताबिक, इसी रंजिश में वेदराम की हत्या की गई है। हत्या के बाद पुलिस ने दो आरोपी भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनका चाचा फरार है। बिलहरी गांव निवासी वेदराम (48) किसान थे। परिवार में पत्नी माधुरी देवी, दो बेटियां पुष्पा और अनीता और एक बेटा सौरभ है। बड़ी बेटी पुष्पा की शादी हो चुकी है। चार भाइयों में वेदराम दूसरे नंबर पर थे। उनके घर से करीब 400 मीटर दूर नंदराम का घर है। साल 2005 में घूरे के विवाद को लेकर वेदराम की नंदराम से कहासुनी हुई थी। गुस्से में वेदराम ने नंदराम की हत्या कर दी थी। इस मामले में वेदराम समेत आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। हत्या के मामले में 5 साल की सजा काटने के बाद वेदराम 2012 में जेल से बाहर आए थे। वेदराम के जेल से बाहर आने के बाद से ही नंदराम के परिजन बदला लेने की फिराक में रहते थे। नंदराम के दो बेटे हैं- रामदेव (28), श्यामदेव (27) हैं।



पूरे गांव में सनसनी फैली

घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। ASP हिमांशु गौरव मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिय ।। परिजनों ने आठ लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने रामदेव और श्यामदेव को हिरासत में लिया है। तीसरे आरोपी श्रीदेव समेत अन्य नामजद लोगों की तलाश की जा रही है।

सीओ पूरनपुर विधि भूषण मौर्य ने बताया- शव पोस्टमॉर्टम के लिए मेज दिया गया है। रंजिश में हत्या का आरोप है। जांच के लिए टीम लगाई गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा किया जाएगा।



बांके से ताबड़तोड़ वार करने का आरोप

जानकारी के अनुसार, वेदराम के कुछ समझ पाने से पहले ही तीनों भाइयों ने बांके से उनके सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से वेदराम लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

सरयू-घाघरा के रौद्र रूप ने हेतमापुर में लिख दी तबाही की नई कहानी

बाढ़ के पानी से गांव घिरे, कटान में खेत-घर उजड़े

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। सरयू-घाघरा की धार इस समय हेतमापुर में सिर्फ पानी नहीं बहा रही, बल्कि वर्षों की मेहनत, घरों की दीवारें, खेतों की हरियाली और लोगों की पुरानी स्मृतियां अपने साथ बहाती जा रही है। रामनगर तहसील क्षेत्र के सूरतगंज ब्लॉक स्थित हेतमापुर में नदी खतरे के निशान से 71 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। बढ़ते जलस्तर के साथ तेज हुए बहाव ने बाढ़ और कटान दोनों का संकट एक साथ खड़ा कर दिया है। खेतों और मकानों के बाद अब नदी की धार धार्मिक स्थलों और सरकारी भवनों की ओर बढ़ रही है। सोमवार देर रात करीब दस बजे श्री श्री 108 जय बाबा नारायण दास जी महाराज मंदिर परिसर के सामने स्थित बाबा गुरु नारायण, महंत उदित नारायण



और उनकी पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों की समाधियां भी नदी की तेज धारा में समा गईं। यह दृश्य केवल कटान की भयावहता नहीं, बल्कि ग्रामीणों के लिए वर्षों से जुड़ी धार्मिक आस्था और स्मृतियों के टूटने का भी प्रतीक बन गया। हेतमापुर क्षेत्र में कटान की तस्वीर हर घंटे बदल रही है। बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों के मुताबिक अब तक हजारों बीघा कृषि भूमि और करीब 50 घर नदी की भेंट चढ़ चुके हैं। कई परिवारों ने नदी का रुख देखकर अपने आशियाने खुद तोड़ा और तीस भी रहे है। मकान की ईंटें, दरवाजे, टीन, अनाज, चारपाई और दूसरी जरूरी चीजें लोग सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में जुटे हैं। यहां सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि ग्रामीणों के पास अपना घर बचाने के लिए बहुत कम समय है। परिवारों के सामने सवाल है कि पहले क्या बचाया जाए मकान, सामान, पशु या फसल। जिस जमीन पर पीढ़ियों ने खेती की, वही जमीन अब नदी की धार में दिखाई तक नहीं दे रही। सुंदरनगर, बेलहरी, भलाईपुर, बाबापुरवा, ललपुरवा, सकतापुर, कोड़री , कोयलीपुरवा और सरसंडा समेत दर्जनों गांव से अधिक बाढ़ के पानी से घिरे हैं। कई घरों में पानी पहुंच चुका है। खेत जलमग्न हैं और ग्रामीण सुरक्षित स्थानों की तलाश में जुटे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पहले नदी का खतरा खेतों तक सीमित समझा जाता था।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुनीं 150 लोगों की समस्याएं

समस्या निस्तारण में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाईः सीएम योगी

तमसा संकेत, संवाददाता

गोरखपुर। सोमवार को गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनसेवा के नियमित प्रकल्प 'जनता दर्शन' में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात की। गंभीरता से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता और संवेदन-शील तरीके से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय करते हुए संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। गोरखनाथ



मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। सबको आश्वस्त किया, घबराइए मत, समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

अधिकारियों को दिए निर्देश, तत्परता और संवेदनशीलता से हो जनता की समस्याओं का समाधान।





मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं।

बदलाव : उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

यूपी की पहचान अब कट्टा नहीं, ब्रह्मोस और फाइटर जेट से : गिरिराज सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान अब पुराने 'कट्टा उद्योग' से नहीं, बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल और फाइटर जेट जैसे आधुनिक रक्षा उत्पादन से हो रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, एक्सप्रेसवे, हवाई संपर्क और औद्योगिक विकास में हुए बदलावों ने उत्तर प्रदेश को नई आर्थिक पहचान दी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। उत्तर प्रदेश इंटरनेश-नल ट्रेड शो-2026 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए वैकल्पिक स्रोतों पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निर्यात में वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की वैश्विक आर्थिक भूमिका बढ़ रही है। उन्होंने ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एथनॉल जैसे वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आयात पर होने वाले खर्च को कम करना आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए वैकल्पिक और स्वदेशी ऊर्जा स्रोतों का विस्तार आवश्यक है।

कट्टा उद्योग से ब्रह्मोस और फाइटर जेट तक बदली पहचान

गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश की बदलती औद्योगिक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय प्रदेश को 'कट्टा उद्योग' के संदर्भ में देखा जाता था, लेकिन आज यहां ब्रह्मोस मिसाइल और फाइटर जेट जैसे आधुनिक रक्षा उत्पादों के निर्माण की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक एवं रक्षा क्षेत्र की क्षमता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, सड़क एवं हवाई संपर्क और औद्योगिक ढांचे ने निवेश तथा कारोबार के लिए नए अवसर तैयार किए हैं।

जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के बीच आवागमन और कारोबारी गतिविधियों को सुविधा मिल रही है।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भूमिका

गिरिराज सिंह ने ब्रिक्स सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक संवाद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने युवाओं की क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश के विकास को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की आर्थिक मजबूती का प्रभाव देश की समग्र अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। प्रदेश में उद्योग, निर्यात, एमएसएमई और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है।

यूपीआईटीएस ने कारोबार के लिए उपलब्ध कराया वैश्विक मंच

गिरिराज सिंह ने यूपीआईटीएस में हुई बी2बी बैठकों और कारोबारी गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आयोजन ने उत्तर प्रदेश के उद्यमियों, निर्यातकों, कारीगरों, प्रदर्शकों और देश-विदेश के खरीदारों को एक मंच पर लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

शोध एवं नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की विवरणिका का प्राचार्य ने किया विमोचन

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली में शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी "शिक्षा में शोध एवं नवाचार का महत्व : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर" की विवरणिका का मंगलवार को बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय द्वारा विमोचन किया गया। यह राष्ट्रीय संगोष्ठी 8 अक्टूबर 2026 को हाइब्रिड माध्यम से आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी का प्रायोजन राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। इसका मुख्य आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), फरीदपुर, बरेली द्वारा किया जा रहा है, जबकि बरेली कॉलेज, बरेली तथा पर्यावरण, कृषि एवं शिक्षा सोसाइटी (ईएईएस), बरेली (जिसका प्रतिनिधित्व संस्था के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार गंगवार कर रहे हैं) इसमें सहयोगी संस्थाओं के रूप में सहभागिता कर रहे हैं।



कार्यक्रम की व्यस्तताओं के चलते डायट के प्राचार्य राजेश कुमार, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी दिनेश सिंह (प्रवक्ता, सामाजिक विज्ञान) तथा कन्वीनर आकांक्षा (प्रवक्ता, समाज कार्य) इस विमोचन अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके, जिसके क्रम में बरेली कॉलेज में यह विमोचन संपन्न हुआ। संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में शोध एवं नवाचार की भूमिका, नई शिक्षण-अधिगम पद्धतियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक, अंतर्विषयक शोध, विद्यार्थी शोध एवं रचनात्मकता, तथा विज्ञान, पर्यावरण शिक्षा एवं सतत विकास जैसे समसामयिक विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श को बढ़ावा देना है। विवरणिका विमोचन के अवसर पर पर्यावरण विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह, प्रो. अनामिका अग्रवाल, प्रो. गौरव भूषण, प्रो. निष्ठा सेठ, डॉ. योगेश शर्मा एवं ईएईएस के अध्यक्ष डॉ. रवि कुमार गंगवार उपस्थित रहे। इसके साथ ही शोधार्थी मुकेश यादव एवं हर्षित तिवारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय ने संगोष्ठी के विषय की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी बनाने में शोध और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को अपनी शुभकामनाएँ दीं। विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि यह संगोष्ठी शिक्षकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों को उनके शोध कार्यों, नवीन विचारों एवं शैक्षणिक नवाचारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। उन्होंने सभी संबंधित प्रतिभागियों से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा व्यक्त की।

25 हजार का इनामी बेटा गिरफ्तार, संपत्ति में बड़ी बेटी को हिस्सा देने की बात पर विवाद का पुलिस ने किया खुलासा

पिता की हत्या का राज एक साल बाद खुला

कार्यवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जैतपुर थाना क्षेत्र के मुस्कुराई गांव में करीब एक साल पहले हुए रामस्वरूप हत्याकांड का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा करने का दावा किया। पुलिस ने हत्या के आरोप में फरार चल रहे मृतक के बेटे ओमकार को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद की गई है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन लंबे समय तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

फरार रहने के कारण पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम



घोषित किया था। रामस्वरूप की हत्या के करीब एक साल बाद आरोपी बेटे की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने हत्याकांड के खुलासे का दावा किया है।

शुरुआती तौर पर संपत्ति में हिस्सेदारी और परिवार के भीतर विवाद को घटना की वजह बताया गया है।

पुलिस अब मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। विवेचना पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े सभी पहलू स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया। मामले में विवेचना और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है।

अज्ञात के खिलाफ दर्ज हुआ था मुकदमा

पुलिस के अनुसार, पांच सितंबर 2025 को रामस्वरूप के बेटे विपिन ने जैतपुर थाने में पिता की हत्या की तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की।

इसी दौरान मृतक के बेटे ओमकार की भूमिका सामने आने की बात पुलिस ने कही। इसके बाद पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी, लेकिन वह काफी समय तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा।

संपत्ति में हिस्सा देने की बात को लेकर था विवाद

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में ओमकार ने परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद होने की बात बताई। पुलिस का कहना है कि रामस्वरूप शराब का सेवन करते थे और परिवार की संपत्ति बेचने की बात करते थे। बताया गया कि रामस्वरूप अपनी बड़ी बेटी को भी संपत्ति में हिस्सा देने की बात कहते थे। बड़ी बेटी के लिए जलालपुर में किराये पर कमरा लिया गया था और उसका खर्च भी रामस्वरूप ही उठा रहे थे। इन्हीं बातों को लेकर परिवार में अक्सर विवाद होने की बात सामने आई।

निशानदेही पर कुल्हाड़ी बरामद

एसपी प्राची सिंह के निर्देशन में जैतपुर पुलिस ने मंगलवार को ओमकार को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी बरामद की गई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में पेश किया। मामले में विवेचना और अन्य कानूनी कार्रवाई जारी है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में ओमकार ने कथित तौर पर बताया कि संपत्ति से जुड़े विवाद के दौरान वह अपना आपा खो बैठा और कुल्हाड़ी से पिता पर हमला कर दिया। हमले में रामस्वरूप की मौत हो गई।

यात्री बसों में सुरक्षा मानकों की जांच

इमरजेंसी गेट से फिटनेस तक परखी

हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में यातायात पुलिस का अभियान, अग्निशमन उपकरण और जरूरी दस्तावेज भी जांचे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। इलाहाबाद हाईकोर्ट के यात्री बसों में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन व्यवस्थाओं से जुड़े निर्देशों के अनुपालन में यातायात पुलिस ने बसों की चेकिंग का अभियान चलाया। इस दौरान बसों में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की जांच की गई। अभियान के दौरान बसों में फायर एक्सटिंग्विशर और अन्य अग्निशमन उपकरण देखे गए। इमरजेंसी गेट और



आपातकालीन निकास की व्यवस्था भी परखी गई। ड्राइवर और कंडक्टर की आवश्यक जानकारी व दस्तावेजों की जांच की गई। इसके अलावा बस की फिटनेस और अन्य सुरक्षा मानकों का भी निरीक्षण किया गया।

फास्ट न्यूज

कक्षा छोड़ बाजार में चाय की चुस्की, शिक्षकों पर उठे सवाल

अंबेडकरनगर। इंदईपुर इंटर कॉलेज के कुछ अध्यापकों का इंदईपुर बाजार स्थित चाय की दुकान पर बैठकर चाय पीते हुए वीडियो सामने आने का दावा किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ शिक्षक अक्सर विद्यालय समय में बाजार में दिखाई देते हैं।

इससे विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने की बात कही जा रही है।

ट्रांसफार्मर गिरा, खंभे टूटे, विरोध में अटकी गांव की बिजली

बसखारी, अंबेडकरनगर। ग्राम पंचायत बढ़ियानी खुर्द में आंधी-तूफान और बारिश से धराशायी हुआ ट्रांसफार्मर अब तक दोबारा नहीं लग सका है। कई विद्युत खंभे भी गिर गए थे। ग्रामीणों के अनुसार हादसे के बाद से गांव की बिजली आपूर्ति प्रभावित है। विभागीय कर्मचारी ट्रांसफार्मर लगाने पहुंचे, लेकिन तीन-चार लोगों के कथित विरोध के चलते काम पूरा नहीं हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में विद्युत आपूर्ति शुरू होने के बाद से ट्रांसफार्मर एक ही स्थान पर लगा था।

थाली में संतुलित आहार से थमेगा कुपोषण का असर

कटेहरी, अंबेडकरनगर। देव इंद्रावती महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत पोषण पखवारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं और बच्चों के पोषण से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूर्व कार्यक्रम अधिकारी एवं गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नीता मिश्रा ने कहा कि महिलाओं में संतुलित आहार की कमी से एनीमिया की समस्या बढ़ रही है।

युवा रोजगार की राह में बैंकिंग अड़चन, 140 ऋण आवेदन लंबित

जिला उद्योग बंधु की बैठक में सामने आई स्थिति

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की योजनाओं में बैंक स्तर पर 140 आवेदन लंबित हैं। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में जिले को 169 लाभार्थियों का लक्ष्य मिला है। इसके सापेक्ष 173 आवेदन बैंकों को भेजे गए। इनमें 34 लाभार्थियों को ऋण मिल चुका है, जबकि 33 आवेदन स्वीकृत हैं। लंबित प्रकरणों की यह स्थिति जिला उद्योग बंधु एवं जिला व्यापार बंधु की संयुक्त बैठक में सामने आई। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। उन्होंने निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित आवेदनों का नियमानुसार और समयबद्ध निस्तारण कराने के निर्देश दिए। स्वीकृत ऋण प्रकरणों में तत्काल वितरण कराने को कहा। उन्होंने निवेशकों और उद्यमियों को सरल, पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ओडीओपी ऋण योजना में 50 लाभार्थियों के लक्ष्य के सापेक्ष 80 आवेदन बैंकों को भेजे गए। इनमें 23 आवेदन स्वीकृत हुए और 23 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया जा चुका है। शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा), एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) और विपणन प्रोत्साहन योजना की भी समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ने सीएम-युवा में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने तथा ओडीओसी और विपणन प्रोत्साहन योजना का लाभ अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने को कहा।

पार्थ ट्रेडिंग धागा मिल परिसर की घटना, चार प्रशिक्षुओं को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी

कौशल केंद्र में अचानक बिगड़ी 21 की तबीयत, उल्टी-दस्त के बाद मचा हड़कंप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा के ममरेज-पुर स्थित पार्थ ट्रेडिंग धागा मिल परिसर के कौशल विकास केंद्र में अचानक कई महिला प्रशिक्षुओं और वर्करों की तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया।

एक साथ उल्टी-दस्त की शिकायत सामने आने के बाद बीमार लोगों को महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। इमरजेंसी में उपचार के बाद चार प्रशिक्षुओं को छुट्टी दे दी गई। 17 प्रशिक्षु और वर्कर अभी मेडिकल कॉलेज के वार्ड में भर्ती हैं। उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद प्रशिक्षुओं और महिला वर्करों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां इमरजेंसी में चिकित्सकों ने मरीजों की जांच की। चार

घटना की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रशिक्षण केंद्र के हॉस्टल पहुंचकर जांच-पड़ताल की। टीम ने बीमार प्रशिक्षुओं से जानकारी लेने के साथ वहां की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अचानक तबीयत बिगड़ने की वजह स्पष्ट नहीं होने पर भोजन और पानी के नमूने लिए गए। दोनों नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं।



प्रशिक्षुओं की स्थिति उपचार के बाद सामान्य होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। अन्य 17 को चिकित्सकीय निगरानी में वार्ड में भर्ती रखा गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के मुताबिक भर्ती मरीजों की हालत स्थिर है। सभी का उपचार चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार मामले पर नजर रख रही है। मेडिकल कॉलेज के वार्ड में भर्ती 17 प्रशिक्षुओं और वर्करों की हालत स्थिर बताई गई है। चार प्रशिक्षुओं को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल चुकी है। घटना के बाद प्रशिक्षण केंद्र और हॉस्टल की व्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य विभाग की जांच जारी है।



हॉस्टल में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

एक साथ कई लोगों की तबीयत बिगड़ने की सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने हॉस्टल में पहुंचकर स्थिति की जानकारी जुटाई। टीम ने भोजन और पानी के नमूने जांच के लिए भेजे हैं। नमूनों की रिपोर्ट से ही यह पता चल सकेगा कि बीमारी का वास्तविक कारण क्या रहा। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल किसी विशेष कारण की पुष्टि नहीं हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। स्वास्थ्य विभाग की जांच के साथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों के स्वास्थ्य की भी निगरानी की जा रही है।

घर की राह में हादसा, पीछे से आई टक्कर ने रोक दी हैप्पी की जिंदगी

शुक्ल बाजार पश्चिमी कट के पास बाइक सवार को मारी टक्कर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग-233 पर सोमवार रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 27 वर्षीय निलेश प्रताप सिंह उर्फ हैप्पी सिंह की मौत हो गई। वह बसखारी से किराने का सामान लेकर घर लौट रहा था।

पिता की तहरीर पर बसखारी पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तेंदुआ निवासी तेज प्रताप सिंह का इकलौता पुत्र निलेश सोमवार रात करीब साढ़े आठ बजे स्प्लेंडर बाइक से घर लौट रहा था। शुक्ल बाजार पश्चिमी कट पर पहुंचते ही पीछे से आए अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद निलेश डिवाइडर पर जा गिरा। वह गंभीर रूप से घायल हो गया।



हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। घायल निलेश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी ले जाया गया।

वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर बसखारी पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव तेंदुआ स्थित घर पहुंचा। निलेश अपने मकान में किराने की दुकान चलाता था। उसकी शादी नौ मार्च को खुशी सिंह से हुई थी। छह माह के भीतर हुए इस हादसे से परिवार में शोक छा गया। पिता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस हादसे में शामिल वाहन और चालक की पहचान के लिए जांच कर रही है।

दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के लिए नाम अनुशंसित

मुस्कुराई की मिट्टी से सुप्रीम कोर्ट की दहलीज तक पहुंचे न्यायमूर्ति उपाध्याय

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर क्षेत्र के मुस्कुराई गांव के लिए न्यायिक क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश बनाए जाने की सिफारिश की गई है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 28 सितंबर 2026 को हुई बैठक में उनके नाम की अनुशंसा की। उनके साथ गुजरात हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह के नाम की भी सिफारिश की गई है। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय का जन्म 16 जून 1965 को अंबेडकरनगर के मुस्कुराई गांव में हुआ था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। वर्ष 1991 में अधिवक्ता के रूप में



पंजीकरण के बाद उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में वकालत शुरू की।

न्यायिक क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए वह इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने। इसके बाद जुलाई 2023 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया और जनवरी 2025 में वह दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की 28 सितंबर की बैठक में तीन हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश की गई। इनमें दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय, गुजरात हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल और तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह शामिल हैं। कॉलेजियम की सिफारिश के बाद अब नियुक्ति की निर्धारित प्रक्रिया पूरी की जाएगी। नियुक्ति की औपचारिक अधिसूचना के बाद ही न्यायमूर्ति उपाध्याय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाल सकेंगे।

इलाहाबाद से दिल्ली हाईकोर्ट तक सफर

न्यायमूर्ति उपाध्याय मई 2007 में उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ स्टैंडिंग काउंसिल बने। नवंबर 2011 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए और अगस्त 2013 में स्थायी न्यायाधीश बने। मार्च 2023 में वह इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश बने। इसके बाद जुलाई 2023 में उन्हें बॉम्बे हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। जनवरी 2025 में उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला। अब सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उनके नाम की अनुशंसा की है।

चित्रों में उतरा विकसित भारत का सपना, ब्लॉक स्तर पर दिखी विद्यार्थियों की कल्पना

सेवा संकल्प अभियान में 'विकसित भारत@2047' थीम पर हुई चित्रकला प्रतियोगिता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सेवा संकल्प अभियान के तहत 'विकसित भारत@2047' थीम पर जिले के सभी विकासखंडों में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने इसमें प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने रंगों और चित्रों के माध्यम से वर्ष 2047 के विकसित भारत को लेकर अपने विचार और संकल्प सामने रखे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को चित्रों में उकेरा। तकनीकी विकास, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और देश के समग्र विकास से जुड़े विचार भी चित्रों में दिखाई दिए। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना के अनुसार विकसित भारत की तस्वीर प्रस्तुत की। विकासखंड स्तर पर प्रथम,



द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागी अब जनपद स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। वहां उन्हें अपनी रचनात्मक प्रतिभा और 'विकसित भारत@2047' से जुड़े विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संबंधित विकासखंडों में आयोजित कार्यक्रमों में पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए। जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विकासखंड स्तर के शीर्ष तीन प्रतिभागियों को जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल किया जाएगा।

दीवार गिरने के बाद ईंटें उठाने और कब्जे के प्रयास का आरोप

112 पुलिस बुलाने के बाद भी कार्रवाई न होने की शिकायत

तमसा संकेत, संवाददाता



हजपुरा, अम्बेडकरनगर। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के माउख गांव निवासी रामदयाल गुप्ता ने अपनी भूमि पर जबरन कब्जे के प्रयास का आरोप लगाया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार, घरौनी में दर्ज भूमि पर वर्षों पुरानी दीवार बनी थी। दीवार गिरने के बाद गांव के कुछ लोगों पर उसकी ईंटें उठा ले जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि इसके बाद विपक्षियों ने गाली-गलौज करते हुए उसी स्थान पर नींव खोदकर निर्माण कराने का प्रयास किया। रामदयाल का कहना है कि भूमि को लेकर दीवानी न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। निर्माण की जानकारी होने पर उन्होंने 112 नंबर पर सूचना देकर पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस के पहुंचने पर विपक्षियों को निर्माण करने से रोक दिया गया। आरोप है कि इसके बाद भी विपक्षियों ने दीवार का निर्माण करा लिया। पीड़ित ने आशंका जताई है कि इससे न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे की स्थिति प्रभावित हो सकती है। शिकायत में घटना से संबंधित वीडियो उपलब्ध होने की बात भी कही गई है। पीड़ित का आरोप है कि वीडियो उपलब्ध कराने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। 27 सितंबर को थाना स्तर पर शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई न होने की बात कही गई है। रामदयाल गुप्ता ने एसपी से मौके पर जांच कराने और विपक्षियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के लिए सम्मनपुर थाना पुलिस को निर्देशित करने की मांग की है।

गर्भसमापन सेवाओं में गोपनीयता से समझौता नहीं

अधिकृत स्वास्थ्य संस्थानों में ही सुरक्षित गर्भसमापन कराने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सुरक्षित गर्भसमापन सेवाओं में महिलाओं की गोपनीयता और सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं होगा। जिले में MTP Act और संशोधित नियमों के प्रभावी अनुपालन को लेकर स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। अधिकृत स्वास्थ्य संस्थानों में ही निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के तहत गर्भसमापन सेवाएं देने को कहा गया है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में MTP Act, 1971 एवं संशोधित MTP Act/Rules के अनुपालन की समीक्षा हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार और अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु मौजूद रहीं। डॉ. दिग्विजय सिंह ने अधिनियम के



प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। बैठक में संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों में MTP सेवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित मानव संसाधन और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि असुरक्षित गर्भपात मातृ स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम है। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों को वैधानिक प्रावधानों के अनुसार सुरक्षित और गुणवत्ता-पूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

गर्भावस्था की अवधि के अनुसार जरूरी होगी चिकित्सकीय राय

बैठक में बताया गया कि निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 20 सप्ताह तक गर्भसमापन के लिए एक पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी की राय आवश्यक है।

निर्धारित विशेष परिस्थितियों में 20 से 24 सप्ताह तक दो पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों की राय जरूरी होती है। चिकित्सा अधिकारियों को इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए।

MTP से जुड़े अभिलेख निर्धारित प्रपत्रों में सुरक्षित रखने को कहा गया। महिला की गोपनीयता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

सम्पादकीय

सवाल पूछो तो थप्पड़, यही है भाजपा राज



भाजपा में सत्ता का अहंकार इस कदर बढ़ चुका है कि अब वो जनता को नागरिक नहीं अपनी प्रजा की तरह देखने लगी है, बल्कि प्रजा भी नहीं गुलाम मानने लगी है। गुलामों को अपने मालिकों, शासकों के रहमोकरम पर रहना पड़ता है। जो मिल जाए, उसके लिए उन्हें धन्यवाद देना पड़ता है। जो न मिले, उस पर सवाल करने का कोई हक उन्हें नहीं होता। भारत के लोकतंत्र को मोदी शासनकाल में राजशाही में इसी तरह तब्दील किया जा रहा है। इसलिए जब मोदी या भाजपा का कोई भी सत्ताधारी छोटी-मोटी परियोजना का भी शिलान्यास करे, तो उसे बड़ी सौगात कहा जाता है। लेकिन जब इन परियोजनाओं में खामी निकले और लोग सवाल करें तो जवाब की जगह उन्हें थप्पड़ मिलता है। राजशाही में तो फिर भी राजा प्रजा को कोई सौगात दे तो वह अपने राजकोष से ही खर्च करता है। लेकिन इस समय विडंबना यह है कि जनता से लिए टैक्स के पैसे से ही देश में सारे काम होते हैं, मगर जनता से यह हक छीन लिया गया है कि वह पलट कर इन पैसों का हिसाब मांग सके या कम से कम खराब काम होने की शिकायत ही कर पाए। दिल्ली में भाजपा सरकार में उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा ने घटिया सड़क निर्माण पर सवाल उठाने वाले एक व्यक्ति को थप्पड़ मारकर यही दिखाया है कि मोदी शासनकाल में भारत में लोकतंत्र नहीं राजशाही और काफी हद तक तानाशाही बनाई जा रही है। इतिहास किताबें खोजें पाठक जानते हैं कि रविवार शाम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में आम आदमी पार्टी के विधायक जनरैल सिंह लोक निर्माण विभाग के मंत्री और उपमुख्यमंत्री प्रवेश वर्मा को उखड़ी हुई सड़क दिखा रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक ने कुछ बयान दिया, जिस पर प्रवेश वर्मा भड़क गए और उन्होंने उस युवक को थप्पड़ ही मार दिया। इस पर आम आदमी पार्टी, कांग्रेस समेत सोशल मीडिया पर बहुत से लोगों ने सवाल उठाए, तो जवाब में प्रवेश वर्मा ने कहा कि उस युवक ने उनके पिता व परिवार के बारे में कोई गलत टिप्पणी की, जिस पर वो आपा खो बैठे। कितनी आसानी से एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने नागरिक के साथ हिंसा करने वाले अपराध को न्यायोचित ठहरा दिया। हालांकि जिस तरह चुनाव चोरी करके भाजपा पर कई राज्यों में सरकार बनाने के आरोप लगे हैं, उसके बाद सवाल उठता है कि क्या प्रवेश वर्मा को निर्वाचित जनप्रतिनिधि कहना सही होगा। क्योंकि जिन्हें अपने पद की गंभीरता और जिम्मेदारी का बोध रहता है वे इस तरह गैरजिम्मेदाराना आचरण नहीं करते। लोकतंत्र में तो नेताओं के मन में हमेशा यह भाव रहता है कि जनता को शिकायत का मौका न दिया जाए, क्योंकि चुनाव में वोट मांगने जनता के पास ही जाना होगा। राजनीति में कई बार इस तथ्य को रेखांकित भी किया जाता है कि नेता चुनाव के वक्त तो जनता को माई-बाप बनाते हैं, लेकिन जीतते ही उनकी सुध लेना भूल जाते हैं। उन पर कुर्सी का अहंकार चढ़ जाता है। लेकिन भाजपा तो इस अहंकार से कहीं ज्यादा आगे निकल चुकी है। शायद चुनाव भी उसके लिए औपचारिकता या लोकतंत्र का दिखावा ही है, क्योंकि उसे इस बात का कोई डर नहीं है कि जनता अपने वोटों से कहीं उसके नेताओं को खारिज न कर दे। राहुल गांधी ने अपनी हालिया प्रेस कांफ्रेंस में यही तथ्य तो सबसे पहले उजागर किया था कि भाजपा को एंटी इनकमबेंसी का कोई डर नहीं है, क्योंकि चुनाव आयोग में बैठे लोगों के जरिए उसने पूरी व्यवस्था बना ली है कि जीत उसके खाते में ही जाए। नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ही जब बार-बार कह चुके हैं कि अगले पचास सालों तक हमारी ही सत्ता रहने वाली है तो फिर भाजपा नेता क्यों जन भावनाओं और अपेक्षाओं की कद्र करेंगे। प्रवेश वर्मा जैसे नेताओं को पता है कि वे किसी को थप्पड़ मारें या अपशब्द कहें उनकी सत्ता पर आंच नहीं आने वाली है। कायदे से तो इस मामले में अदालत को स्वतः संज्ञान लेकर प्रवेश वर्मा पर कार्रवाई का आदेश देना चाहिए था। लेकिन अब अदालत में शिखर पर बैठे लोग भी निराश कर रहे हैं। वे संविधान के संरक्षक होने के बावजूद भारत के लोगों का निरंतर अनादर और उनके हकों की लूट देख रहे हैं। मीडिया को भी इस लूट का हिस्सा बना लिया गया है। इसलिए अब खबरें चलाई जा रही हैं कि जिस व्यक्ति को प्रवेश वर्मा ने थप्पड़ मारा, उस पर पहले ही एफआईआर दर्ज हैं, वो आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता है आदि आदि। क्या खुद को पत्रकार कहने वाले लोग यह नहीं जानते कि अगर किसी पर पहले किसी मामले में एफआईआर दर्ज है भी तो उस पर कार्रवाई का अधिकार पुलिस और अदालत का है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध इंडि गठबंधन का युद्धघोष

इस विषय मे एक सकारात्मक परिणाम, शनिवार दिनांक 6 सितंबर 2026 को मध्यान्ह 3.00 देखने को मिले, जब मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दोनों चुनाव आयुक्तों की चाय पीते तस्वीर देखने को मिली। शाम तक चुनाव आयुक्तों की मीटिंग मे लिए निर्णयों ने काफी कुछ हद तक तीनों आयुक्तों के बीच चल रही कड़वाहट कम होने के सबूत दिखलाई पड़े।

23 सितंबर 2026 को राजधानी के एक प्रमुख अँग्रेजी दैनिक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध अपने ही दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधु की असहमति और मतांतर की अनदेखी करने के आरोपों ने देश के राजनैतिक हलक़ों मे हँगामा और कोहराम की स्थिति पैदा कर दी। रितिका चोपड़ा द्वारा लिखित इस लेख में पिछले दस महीनों मे दोनों चुनाव आयुक्तों ने ऐसे 14 अवसरों का उल्लेख किया जिसमे उन्होने चुनाव आयोग द्वारा लिए गए निर्णयों मे अपने असहमति और अस्वीकृति दर्ज़ कराई। चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संवैधानिक संस्था मे मत-अभिमत मे मतांतर होना स्वाभाविक है पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर दोनों चुनाव आयुक्तों के बहुमत के निर्णयों की अवेहलना के गंभीर आरोप लगाना चिंता का विषय था। मृतप्रायः पड़े विपक्षी इंडि गठबंधन के घटक दलों को इस मुद्दे ने संजीवनी का कार्य करते हुए एक बड़ा मुद्दा उनकी झोली में स्वतः ही डाल दिया। अँग्रेजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट की लेखिका रीतिका चोपड़ा ने, चुनाव आयोग मे चुनाव आयुक्तों के बीच चल रहे विवादों पर अपनी गहन रिपोर्ट मे बिन्दुवार उल्लेख कर मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य दोनों आयुक्तों के बीच अहं, दंभ और अहंकार के साथ आयोग के निर्णयों मे सर्वानुमति के आभाव और बहुमत के निर्णयों की अनदेखी के मुद्दों का उल्लेख किया। सरकारी संस्थाओं मे किन्ही मुद्दों पर असहमति होना स्वाभाविक है लेकिन रिपोर्ट में नई मतदाता सूची तैयार करना, मतदाताओं का पंजीकरण और उन्हें हटाना, मतदाता सूचियों के संशोधन के खिलाफ अपील दायर करने की प्रक्रिया, तथा मतदाता सूचियों के SIR की प्रक्रिया की निगरानी और अभिरक्षा, फोरम संख्या 06, गोवा राज्य के 97 मतदाताओं जैसे विषयों मे बहुमत की अनदेखी ने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर



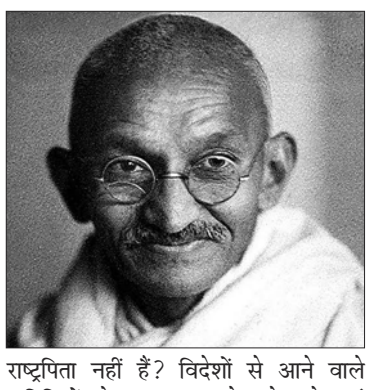
सवाल जरूर खड़े किये है? निश्चित ही रिपोर्ट को लंबे समय मे गहन जांच और चुनाव आयोग के अधिकारी या कर्मचारी की मिलीभगत के बिना, बना पाना असंभव रहा होगा। आज रिपोर्ट के चार दिन बाद भी, न तो रिपोर्टर अपने आरोपों के सबूत दे सकी और न ही मुख्य चुनाव आयुक्त ने उन आरोपित और विवादस्पद मुद्दों को नकारा और न ही उप चुनाव आयुक्तों ने अपनी असहमति या बहुमत के मुद्दों की अवेहलना को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया। इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि यह विषय यूं ही ब्रह्मांड में विचरण करता हुए एक दिन समाप्त हो जाएगा। हर व्यक्ति, संस्था या राजनैतिक दल इसे अपनी स्वार्थ, सुविधा और उससे मिलने वाले राजनैतिक हित, लाभ की कसौटी पर कस कर उपयोग करेंगे। इंडि गठबंधन के प्रमुख घटक दल कॉंग्रेस के राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, ममता ऑल इंडिया तृणमूल कॉंग्रेस की प्रमुख ममता बैनर्जी, समाजवादी के अखिलेश गांधी, शिव सेना उद्धव गुट के उद्धव ठाकरे, संजय राऊत, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव ने तो रितिका चोपड़ा की रिपोर्ट को ब्रहम वाक्य मानते हुए चुनाव आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और देश के साथ गद्दारी और उसके विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र रचने के लिए गिरफ्तार कर, जेल भेजने की मांग तक कर डाली! इन सभी दलों ने ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के आरोप लगा कर, उन पर भाजपा का पक्ष ले, उन्हे अवैध और असंवैधानिक तरीके से बिहार, पश्चिमी बंगाल मे सरकार बनाने और जिताने जैसे संगीन आरोप लगाये। आप पार्टी प्रमुख सहित अन्य इंडि गठबंधन दलों ने भी पिछले दिनों विधान सभाओं के गठन को भंग कर ईवीएम की बजाय दुबारा मत पत्रों से चुनाव करने की मांग की। हर बार की तरह राहुल गांधी लंबी चौड़ी प्रैस कॉन्फ्रेंस में वोट चोरी के आरोप तो लगाते नज़र आए पर वोट चोरी के कोई भी सबूत देने मे नाकामयाब रहे? इन दलों के, ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के आरोपों को जब सबूतों की कसौटी पर कस कर देखते हैं तो इंडि गठबंधन की तर्कहीनता स्पष्ट नज़र आती है जो उनकी सोच और समझ पर सवालिया निशान खड़े करती है? यदि बिहार, पश्चिमी बंगाल, पांडिचेरी, और असम मे भाजपा मुख्य चुनाव आयुक्त के पक्षपात या वोट चोरी के कारण जीती तो केरल मे कॉंग्रेस, तमिलनाडू मे सी॰ जोसफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके कैसे विजयी रही? क्या यहाँ वोट चोरी नहीं हुई? इस बात का कोई तर्क इनके पास नहीं है? दरअसल रितिका चोपड़ा की रिपोर्ट ने तो इंडि गठबंधन के सभी प्रमुख राजनैतिक दलों को, अपनी नकामयाबी, पराजय असफलता और शिकस्त का ठीकरा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सिर फोड़ने का मानो सुनहरा मौका मिल गया? अन्यथा क्या कारण थे कि बिहार और अन्य राज्यों मे एसआईआर के लागू होने को तो देश के उच्चतम न्यायालय ने भी उचित ठहराते हुए इसे चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार बतलाकर किन्ही भी खामियों से परे बतलाया, और फिर पश्चिमी बंगाल की एसआईआर प्रिक्रिया तो सुप्रीम कोर्ट की देखरेख मे हुई, जिसमे 500 से 530 न्यायिक अधिकारी (जज) तैनात किए गए थे। इंडि गठबंधन और कॉंग्रेस ने तो पूरे देश के जिला मुख्यालयों में विरोध प्रदर्शन कर मुख्य चुनाव आयुक्त की गिरफ्तारी की मांग की। उन्हेंदेश द्रोही और गद्दार तक ठहरा दिया। उनसे इस्तीफा देकर, राहुल गांधी ने बड़े सख्त लहजे और अशिष्ट भाषा में ज्ञानेश कुमार को धमकी भरे लहजे में अपने पद से इस्तीफा देकर सरकारी गवाह बनने की सलाह दी!! इस सलाह की पीछे राहुल गांधी की मंशा और मकसद समझ से परे है? अँग्रेजी दैनिक मे छपी रिपोर्ट में, चुनाव आयुक्त विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधु की असहमति के आधार पर मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध मोर्चा खोलने वाले ये वही राहुल गांधी हैं, जिन्होने चुनाव आयोग मे विवेक जोशी और सुखबीर संधु की नियुक्ति पर, चयन समिति के एक सदस्य के रूप मे अपनी असहमति जताई थी, लेकिन दोनों चुनाव आयुक्त (जोशी और संधु), आज उनके (राहुल गांधी के) के प्रिय पात्र बने हुए हैं। यहाँ भी इंडि गठबंधन के नेताओं विशेषकर राहुल गांधी पर दोहरे मापदंड अपनाने के आरोप लगे। जिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य विपक्षी दलों के नेताओं पर, सन 2016 और 2019 मे, भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध की गयी सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के विडियो, फोटो आदि सबूत मांगने के अनेकों बार आरोप लगाए गए हैं वही लोग आज बिना किसी सबूत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी और देश के साथ गद्दारी के आरोप लगा कर गिरफ्तारी की मांग कर रहे है जो हाल के दिनों मे भारतीय राजनीति के नैतिक अधोपतन और मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक दिवालियापन को दर्शाता है।

विजय सहगल

गाँधी जी केवल ...

डा. विनोद बब्बर

वर्तमान में गांधी की प्रासंगिकता



महात्मा गांधी विश्व के सर्वाधिक चर्चित व्यक्तित्व रहे हैं। दुनिया का शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां गांधी जी की प्रतिमा, कोई संस्थान अथवा मार्ग न हो। ब्रिटेन जिनके विरूद्ध उनका संघर्ष था, वहां की संसद के निकट उनकी भव्य प्रतिमा होना उनकी वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। अमेरिका में गांधी जयन्ती मनाया जाना, दक्षिण अफ्रीका के नेलसन मंडेला द्वारा स्वयं को गांधी का अनुयायी कहना, खान अब्दुल गफ्फार खान को सीमान्त गांधी कहा जाता है। विश्व के अनेक देशों ने गांधी स्मृति में डाक टिकट प्रचलन में है तो कुछ देशों ने स्मारक सिक्के भी है। अहिंसा, सत्याग्रह और सत्य के प्रयोग एक तरह से गांधी के पर्याय हैं। भारत में आने वाले हर राष्ट्राध्यक्ष का राजघाट जाकर गांधी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करना अनिवार्य परम्परा बन चुका है। वर्तमान प्रधानमंत्री द्वारा गांधी जयंती को आरंभ किया गया स्वच्छता अभियान पिछले कुछ वर्षों में जन आंदोलन का रुप ले चुका है। दुनिया अलग-अलग कारणों से गांधी जी को स्मरण करती है। उनके समर्थक तो क्या, विरोधी भी अक्सर उनके विचारों को उद्धृत करते नजर आते हैं। गांधी नाम की बैतरणी से तूफान से घिरी चुनावी नदी पार करने के लिए स्वयं को गांधी कहने वालों की भरभार है तो कुछ विषयों पर गांधी से असहमति रखने वाले भी स्वयं को उनके अनेक कार्यों से जोड़कर गौरव अनुभव करते हैं। यह सवाल मन में आना स्वाभाविक है कि क्या हर 2 अक्टूबर और 30 जनवरी को गाँधी की चर्चा करना, राजघाट पर जाकर पुष्प अर्पित करना केवल एक कर्मकाण्ड है, राजनीतिक हथकंडा है या इन लोगों के मन में गांधी जी के प्रति सच्ची श्रद्धा है? क्या यह दुनिया के आश्चर्यो में शामिल होना चाहिए कि गांधी का नाम लेकर सत्ता में आने वालों ने एक आरटीआई के उत्तर में स्वीकार कहा था कि सरकारी रिकार्ड के अनुसार गाँधी जी राष्ट्रपिता नहीं हैं? विदेशों से आने वाले अतिथियों को राजघाट तक ले जाने वाले स्वयं अपने मन मस्तिष्क में गांधी दर्शन को स्थापित क्यों नहीं कर सके? हर नोट पर गांधी का चित्र छापने वाले अपनी नीतियों और व्यवहार में गांधी को विस्मृतिआखिर क्यों करते रहे हैं? उन्हें दिखावे का देवता बनाने वाले उनके शिष्यों को किस श्रेणी में रखा जाए? गाँधी जी केवल एक राजनेता नहीं अपितु लेखक व संपादक भी थे। उन्होंने अनेक पत्रिकाओं का संपादन भी किया। छात्र जीवन से ही उन्हें ऐतिहासिक, साहित्यिक व अन्य विषयों की पुस्तकें पढ़ने और लिखने में रुचि थी। 1896 में जब गाँधीजी इंग्लैंड से दक्षिण अफ्रीका जा रहे थे तो जहाज पर उन्होंने एक पुस्तक ग्रीन पैम्फलेट की रचना की तो एक अन्य प्रसिद्ध पुस्तक हिन्द स्वराज भी यात्रा के दौरान लिखी गई। धार्मिक संदेशों व शिक्षा पर आधारित हिन्दी के प्राइमरी स्तर के बच्चों की नैतिक शिक्षा हेतु गाँधीजी ने एक पुस्तक रची- बाल पोथी। इसके अतिरिक्त बच्चों के लिए नीति धर्म नामक पुस्तक भी गाँधीजी द्वारा लिखी गई, जिसमें उनके द्वारा बच्चों को लिखे गए पत्र शामिल हैं। हरिजन के संपादक के रूप में उनके कुछ विचारों को उद्धृत करना सामायिक होगा। दिनांक 27-4-1947 को उन्होंने लिखा- 'सच्चा भारत उसके 7 लाख गांवों में बसता है। यदि भारतीय सभ्यता को एक स्थायी विश्व व्यवस्था के निर्माण में अपना पूर-पूरा योगदान करना है तो गांवों में बसने वाली इस विशाल जनसंख्या को फिर से जीना सिखाना होगा।' इसी प्रकार दिनांक 28-4-1946 को उन्होंने लिखा- 'सभी गांवों का सर्वेक्षण कराया जाएगा और उन चीजों की सूची तैयार कराई जाएगी जो कम से कम या किसी तरह की सहायता के बिना स्थानीय रूप से तैयार की जा सकती हैं और जो या तो गांवों के ही इस्तेमाल में आ जाएंगी या जिन्हें बाहर बेचा जा सकेगा। उदाहरण के लिए, कोल्हू से पेरा गया तेल और खली, कोल्हू से पेरा गया जलाने का तेल, हाथ से कुटे चावल, ताड गुड, शहद, खिलौने, चटाइयां, हाथ से बना कागज, साबुन आदि। इस प्रकार यदि पर्याप्त ध्यान दिया जाए तो ऐसे गांवों में जो निष्प्राण हो चुके हैं या निष्प्राण होने की प्रक्रिया में हैं, नवजीवन का संचार हो सकेगा तथा उनकी स्वयं अपने और भारत के शहरों और कस्बों के इस्तेमाल के लिए आवश्यकता की अधिकांश वस्तुओं के निर्माण की अनंत संभावनाओं का पता चल सकेगा।' यह सर्व विदित है कि गाँधी जी ग्रामीण तथा कुटीर उद्योगों के पक्षधर थे परंतु, स्वयं गांधीजी के सबसे बड़े शिष्य नेहरू से उनकी बाद वाले गांधियों की किसी भी सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। परिणामस्वरूप गाँवों में बेरोजगारी बढ़ी, तनाव बढ़ा, शहरों की ओर पलायन बढ़ा, परिवार का विखंडन बढ़ा, शहरों में भी समस्याएं बढ़ी और बढ़ा शहरों की हर समस्या के लिए दूर देहात से रोजी-रोटी की तलाश में आए लोगों को दोषी ठहराने का सिलसिला। गाँधी जी नशाबंदी के प्रबल समर्थक थे। उनका मत था कि यदि वह एक दिन के लिए भी भारत का राज्य पा जाएं, तो शराब की सभी फैक्ट्रियां नष्ट कर दें। पर, हमारी सरकारों ने शराब के ठेकों की संख्याओं में दिन-दुगनी, रात-चौगुनी वृद्धि की है।

इस समन्वित ...

आशिया खातून

उत्तर प्रदेश के जनजातीय समुदायों के समग्र विकास हेतु पीएम-जनमन और धरती आबा

उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा तभी पूर्ण मानी जा सकती है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास की सुविधाएं समान रूप से पहुंचे । विशेष रूप से ऐसे समुदाय, जो लंबे समय से भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के बीच जीवन यापन कर रहे हैं, उनके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, बिजली, पेयजल, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता विकास की पहली सीढ़ी है। इसी दृष्टि से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समुदायो के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) तथा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जैसी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय परिवारो तक योजनाओका लाभ पहुंचाने और उनके जीवन स्तर मे सुधार लाने का कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जनपद बिजनौर में निवासरत बुक्सा जनजाति को पीएम-जनमन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य केवल लाभ दिलाने तक ही सीमित है, बल्कि जनजातीय परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, सामाजिक सुरक्षा और आधारभूत सुविधाओं से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा में सहभागी बनाना है। पीएम-जनमन से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों पर विशेष ध्यान विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पी0वी0टी0जी0) के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन का शुभारंभ 15 नवंबर, 2023 को मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया। इस पहल के माध्यम से ऐसे जनजातीय समुदायों तक विकास की मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है, जिन्हें विभिन्न कारणो से अब तक योजनाओं का पूरा लाभ प्राप्त नहीं हो सका था। उत्तर प्रदेश मे बिजनौर जनपद में निवासरत बुक्सा जनजाति को इस पहल के अंतर्गत शामिल किया गया है। विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से बुक्सा समुदाय के पात्र परिवारो को आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा और आजीविका से जुड़ी सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। पीएम-जनमन की विशेषता इसका बहु-विभागीय स्वरूप है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ-साथ ग्राम्य विकास, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा, विद्युत, जलापूर्ति, महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार, ऊर्जा, दूरसंचार तथा व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा जैसे विभाग अपनी-अपनी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय परिवारों तक सुविधाएं पहुंचाने में भूमिका निभा रहे हैं। इस समन्वित व्यवस्था से विकास को केवल एक क्षेत्र तक सीमित न रखकर परिवार के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को एक साथ मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। बुनियादी सुविधाओं से जुड़ रहे बुक्सा परिवारों को जीवन में सुरक्षित आवास, बिजली, स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा का विशेष महत्व होता है।

जरा हटके

वर्तमान में श्री विनय ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

वैज्ञानिक तकनीक से गाजियाबाद में पशुपालन को नया संबल

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से सटे जनपद गाजियाबाद के ग्रामीण अंचलों में पारंपरिक कृषि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन आजीविका और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी रहा है। यहां के विकासखंड भोजपुर, मुरादनगर, लोनी और रजापुर जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लघु एवं सीमांत परिवार पशुपालन के माध्यम से अपने दैनिक जीवन का निर्वहन करते हैं। हाल के वर्षों में आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने इस क्षेत्र में पशुपालकों की आय और जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव की नई शुरुआत की है। डेयरी क्षेत्र में छोटे पशुपालकों के समक्ष लंबे समय से सबसे गंभीर चुनौती नर बछड़ो के जन्म और उनके भरण-पोषण की रही है। आधुनिक युग में कृषि कार्यों के पूर्ण मशीनीकरण और ट्रैक्टरों के व्यापक उपयोग के कारण कृषि में बैलों की पारंपरिक उपयोगिता लगभग समाप्त हो चुकी है। सीमित भूमि और महंगे चारे की परिस्थितियों में छोटे पशुपालकों के लिए अनुपयोगी नर गोवंश का लालन-पालन करना एक भारी आर्थिक बोझ बन जाता था, जिससे कई बार पशुपालकों के सामने अत्यंत विषम और विवशतापूर्ण परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती थीं। इस व्यावहारिक समस्या के स्थायी और वैज्ञानिक समाधान के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से ''सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक'' को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाया गया है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत विकसित इस उन्नत जैव प्रौद्योगिकी का मुख्य उद्देश्य गोवंश में केवल उच्च नस्ल की मादा संतति (बछिया) के जन्म को सुनिश्चित करना है। ग्रामीण



स्तर पर आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालक भी इस आधुनिक तकनीक का निर्बाध लाभ उठा सकें, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा भारी सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इस नीतिगत निर्णय का सीधा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पशुपालक लागत के अभाव में इस नवाचार से वंचित न रहे। इस योजना के धरातलीय प्रभाव का एक प्रत्यक्ष और प्रेरक उदाहरण जनपद गाजियाबाद के विकासखंड भोजपुर अंतर्गत ग्राम सिकंदरपुर मे देखने को मिलता है। इसी गांव के निवासी श्री विनय कुमार एक छोटे पशुपालक हैं, जो वर्षों से दुग्ध उत्पादन के माध्यम से अपने परिवार का लालन-पालन कर रहे हैं। वर्तमान में उनके पास दो दुधारू गाये हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 20 लीटर दूध का उत्पादन होता है। स्थानीय बाजार में दूध की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय ही उनके परिवार के भरण-पोषण का प्रमुख आधार है। श्री विनय कुमार भी विगत वर्षों में उसी संकट से जूझ रहे थे, जो देश-प्रदेश के अधिकांश छोटे पशुपालको की साझा पीड़ा रही है। जब भी उनकी गायों से बछड़े का जन्म होता था, तो उनके चारे, दाने और रख-रखाव पर होने वाला अतिरिक्त व्यय दूध से होने वाली सीमित कमाई को निगल जाता था। छोटे स्तर पर सीमित संसाधनों के बीच बिना किसी आर्थिक प्रतिफल के बछड़ों को पालना उनके पूरे पारिवारिक बजट को असंतुलित कर देता था और अक्सर उन्हें भारी मानसिक व आर्थिक तनाव का सामना करना पड़ता था। इसी दौरान पशुपालन विभाग द्वारा ग्रामीण स्तर पर संचालित जागरूकता अभियानों और कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं के माध्यम से उन्हें सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक की जानकारी मिली। जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं के सहयोग से उन्होंने बिना देर किए अपनी गायों के गर्भाधान के लिए इस आधुनिक तकनीक को अपनाया। विभाग द्वारा यह सेवा उनके दरवाजे पर अत्यंत सुगमता और मात्र रू0 100 के निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध कराई गई। इस तकनीकी प्रयोग के परिणाम विनय कुमार के लिए अत्यधिक उत्साहवर्धक और आर्थिक रूप से परिवर्तनकारी साबित हुए। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग के बाद उनकी गायों से केवल उन्नत नस्ल की बछियों ने ही जन्म लिया। पूर्व में जहां सामान्य गर्भाधान में नर या मादा होने का 50-50 प्रतिशत का अनिश्चित जोखिम रहता था, वहीं इस तकनीक ने बछड़े पैदा होने की आशंका को पूरी तरह समाप्त कर दिया। वर्तमान में श्री विनय कुमार के पशुघर पर स्वस्थ और उन्नत नस्ल की बछियां तैयार हो रही हैं। अब उन्हें किसी अनुत्पादक पशु के भरण-पोषण पर व्यर्थ धन खर्च नहीं करना पड़ रहा है, जिससे उनकी दूध बिक्री से होने वाली शुद्ध बचत में सीधा इजाफा हुआ है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में ये बछियां वयस्क होकर जहां उनके डेयरी व्यवसाय मे दैनिक दुग्ध उत्पादन को दोगुना करेंगी, वहीं आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बेचकर वे एकमुश्त पूंजी भी अर्जित कर सकते हैं। श्री विनय कुमार को मिली इस सुविधा और सहायता ने उनके दैनिक जीवन में एक सुखदायक परिवर्तन कर दिया है।

उनका कहना है कि पहले बछड़े के जन्म पर होने वाले अनिवार्य खर्च से पशुपालन का मुनाफा न के बराबर रह जाता था। अब बछियों के जन्म से उनका पशुधन वास्तव में एक उत्पादक परिसंपत्ति (एसेट) बन चुका है, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ और आत्मनिर्भर हो रही है। जनपद गाजियाबाद में जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग इस तकनीक को मिशन मोड में प्रत्येक पात्र पशुपालक तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं।

योगी सरकार की डिजिटल पहल को नई मजबूती

राष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ीं यूपी की सभी 251 मंडियां, ई-मंडी पोर्टल का एगमार्कनेट 2.0 से एकीकरण

योजना

तमसा संकेत, संवाददाता



योगी सरकार प्रदेश की मंडी व्यवस्था में तकनीक का अधिकतम उपयोग कर किसानों और व्यापारियों तक सेवाओं और बाजार सूचनाओं की पहुंच आसान बनाने की दिशा में काम कर रही है। ई-मंडी व्यवस्था के माध्यम से मंडियों की विभिन्न प्रक्रियाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया गया है। अब इसे राष्ट्रीय कृषि बाजार सूचना नेटवर्क से जोड़ने से उत्तर प्रदेश की मंडियों में दर्ज कृषि उपज के भाव और आवक के आंकड़े राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध हो रहे हैं।

लखनऊ। किसानों को बेहतर बाजार सूचना उपलब्ध कराने और मंडी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में योगी सरकार की डिजिटल पहल को नई मजबूती मिली है। उत्तर प्रदेश की सभी 251 कृषि उपज मंडियां अब देश के कृषि बाजार सूचना नेटवर्क 'एगमार्कनेट 2.0' से जुड़ गई हैं। उत्तर प्रदेश मंडी परिषद के ई-मंडी पोर्टल का एगमार्कनेट 2.0 से एपीआई आधारित एकीकरण पूरा होने के साथ प्रदेश की सभी मंडियों से 100 प्रतिशत मार्केट रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो गई है। केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने मंडी परिषद की इस उपलब्धि की सराहना की है। सभी 251 मंडियों के एकीकरण का सबसे महत्वपूर्ण लाभ किसानों को बाजार की व्यापक जानकारी के रूप में मिलेगा। अलग-अलग मंडियों में किसी कृषि उपज के क्या भाव हैं और कितनी आवक हो रही है, इसकी जानकारी से किसान बाजार का रुख समझकर अपनी उपज के विपणन से जुड़े निर्णय बेहतर ढंग से ले सकेंगे। भाव और आवक के आंकड़ों की व्यापक उपलब्धता से कृषि बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। व्यापारियों को भी अलग-अलग बाजारों की स्थिति समझने में सुविधा होगी। वहीं कृषि बाजार के रुझानों के विश्लेषण और नीतिगत निर्णयों के लिए अधिक व्यवस्थित डेटा उपलब्ध होगा। भाव और आवक के तुलनात्मक आंकड़े उपलब्ध होने से किसानों को अलग-अलग बाजारों की स्थिति समझने में भी आसानी होगी। एगमार्कनेट 2.0 से तकनीकी एकीकरण के साथ प्रदेश की सभी 251 मंडियों से 100 प्रतिशत मार्केट रिपोर्टिंग सुनिश्चित होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इतने बड़े मंडी नेटवर्क से नियमित और शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित होना मंडी परिषद की डिजिटल व्यवस्था और फील्ड स्तर के समन्वय की प्रभावशीलता को दर्शाता है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव चिन्मय गोटमारे ने सभी 251 मंडियों के सफल एपीआई एकीकरण और शत-प्रतिशत मार्केट रिपोर्टिंग की सराहना की है।

क्या है एगमार्कनेट 2.0?

एगमार्कनेट यानी 'एग्रीकल्चरल मार्केटिंग इन्फॉर्मेशन नेटवर्क' कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है। यहां देश की कृषि मंडियों में विभिन्न कृषि जिंसों की आवक और बाजार भाव से संबंधित जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध होती है। इसका उद्देश्य किसानों, व्यापारियों, नीति निर्माताओं और कृषि बाजार से जुड़े अन्य हितधारकों तक विश्वसनीय एवं समयबद्ध बाजार सूचना पहुंचाना है। उत्तर प्रदेश के ई-मंडी पोर्टल के एपीआई आधारित एकीकरण के बाद प्रदेश की मंडियों में दर्ज भाव और आवक का डेटा डिजिटल माध्यम से सीधे इस राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है।

भाव और आवक की सूचनाओं का निर्बाध प्रवाह हुआ सुनिश्चित

उत्तर प्रदेश मंडी परिषद के निदेशक जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की मंडी व्यवस्था को तकनीक के माध्यम से अधिक पारदर्शी और किसानोपयोगी बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। तकनीक का वास्तविक लाभ तभी है, जब किसान तक सही बाजार सूचना सही समय पर पहुंचे। सभी 251 मंडियों को एगमार्कनेट 2.0 से जोड़ने से भाव और आवक की सूचनाओं का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हुआ है। इससे किसानों को बाजार की स्थिति समझने और अपनी उपज के विपणन से जुड़े बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल की यूपी की राजनीति में एंट्री

बोलीं- डरूंगी नहीं, हिसाब मांगूंगी, किसी पार्टी का नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। यूपी की पूर्व IAS दिव्या मित्तल राजनीति में उतरेंगी। उन्होंने मंगलवार सुबह 8.30 बजे फेसबुक पर वीडियो जारी करके इसका खुलासा किया। उन्होंने कहा- यूपी में ही रहूंगी। डरूंगी नहीं, सवाल करूंगी। मुझे पैसा और बाहुबल नहीं चाहिए। सिर्फ आप लोगों का साथ चाहिए। उन्होंने कहा- मैं किसी पार्टी के साथ नहीं जुड़ूंगी। अकेले चलूंगी। मेरा मकसद राजनेता बदलना नहीं, बल्कि पूरी राजनीति को बदलना है। हमारी राजनीति में सत्ता है, शिलान्यास है, शोर है, लेकिन सोच नहीं है। मुझे अपने देश की आजादी के 80 सालों का हिसाब चाहिए। दिव्या मित्तल के ऐलान के बाद संवाददाता ने उनसे बात की। उन्होंने कहा- मिर्जापुर से राजनीति करूंगी या नहीं, इस पर अभी निर्णय लेना है। राजनीतिक कार्यक्रमों की शुरुआत को लेकर जानकारी जल्द दूंगी। अभी आगे की योजना बना रही हूं। 2013 बैच की IAS रहीं दिव्या ने 30 अगस्त को नौकरी से इस्तीफा दे दिया था। 14 सितंबर को उनका इस्तीफा मंजूर हो गया था। तभी से उनके फ्यूचर प्लान को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। दिव्या ने IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से MBA करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली नौकरी की थी। मैंने कुछ दिन पहले IAS से त्यागपत्र दिया और आपके मन में कई सवाल छोड़ दिए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में जलभराव से परेशान लोगों का प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ के मिश्रीबाग में जलभराव से परेशान लोगों ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। लोगों ने बसंत कुंज बंधा स्थित एलडीए के बाढ़ पंपिंग स्टेशन पर नगर निगम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल जाने वाला मुख्य मार्ग करीब एक घंटे तक जाम रहा। पुलिस के पहुंचने पर रास्ता खुलवाया गया, लेकिन लोग मौके पर प्रदर्शन करते रहे।

शिया पीजी कॉलेज में समाजवादी छात्रसभा का छात्र जागरूकता अभियान

लखनऊ। समाजवादी छात्रसभा की ओर से मंगलवार को शिया पीजी कॉलेज लखनऊ में छात्र जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व महानगर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष जावेद अली, महानगर उपाध्यक्ष शुभम चन्द्रा और एडवोकेट अल्ताफ अली ने किया। अभियान के दौरान छात्रों को उनके लोकतांत्रिक, शैक्षणिक और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। वक्ताओं ने पूर्व सरकार के कार्यकाल में युवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

पर्यटन योजनाओं की धीमी प्रगति पर मंत्री नाराज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में पर्यटन को अहम सेक्टर के तौर पर विकसित करने की तैयारी है। मंगलवार को पर्यटन भवन में हुई समीक्षा बैठक में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने डेलॉयट की ओर से तैयार कार्ययोजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि करीब दो साल में कार्ययोजना पर संतोषजनक प्रगति नहीं हुई है। अब सिर्फ योजना बनाने के बजाय उसके परिणाम जमीन पर दिखाई देने चाहिए।

यूपी राज्य की खनिज क्षेत्र में बदलती तस्वीर

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। सचिव एवं निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग श्रीमती माला श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश भारत के उत्तरी भाग में देश का एक प्रमुख भाग है जो मुख्यतः इंडो-गैंजेटिक प्लेन में अवस्थित है। इसके दक्षिण भाग में बुन्देलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र में पठारी एवं चट्टानी संरचनायें पायी जाती है, जिस कारण यहां मुख्यतः स्वस्थानीय किस्म की चट्टानों से खण्डा, गिट्टी, बोल्डर आदि का खनन व उत्पादन होता रहा है। वर्ष 2022 से विभिन्न अन्वेषण एजेंसिओं यथा भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्र लखनऊ, एमईसीएल, नागपुर आदि के प्रयासों से फॉस्फोराईट, लौह अयस्क, चूना पत्थर खनिजों की खोज की गयी जिसके फलस्वरूप वर्ष 2022 से 2026 तक लगभग 4 वर्षों में ही फॉस्फोराईट, लौह अयस्क व लाइमस्टोन के खनन पट्टों को ई-निविदा सह ई-नीलामी की प्रक्रिया अपनाते हुए निजी निवेशको से बिड प्राप्त करते हुए खनन पट्टों के लिए आशय पत्र निर्गत किए गए हैं।

इनमें से 02 फॉस्फोराईट खनिज के ब्लॉक ऐसे है जिन्हें कम्पोजिट लाइसेंस हेतु ई-निविदा सह ई-नीलामी के माध्यम से आवंटित किया गया था और आवंटी कम्पनियों द्वारा अन्वेषण कार्य पूर्ण करते हुए नियमानुसार खनन पट्टे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया और अब उन्हें खनन पट्टे हेतु आशय पत्र भी नियमानुसार निर्गत कर दिया गया है।

डेलायट संस्था द्वारा तैयार की गयी कार्ययोजना को धरातल पर उतारने का हरसंभव प्रयास किया जाए : अवनीश कुमार अवस्थी

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने के लिए पर्यटन की अहम भूमिका : जयवीर सिंह

वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संकल्प को पूरा करने के लिए समीक्षा बैठक सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने के लिए कार्य कर रही डेलॉयट के प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि जो भी कार्ययोजना तैयार की गई है, उसका परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले लगभग 02 वर्षों में संस्था द्वारा संतोषजनक प्रगति नहीं की गई है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रस्तावित कार्ययोजनाओं पर यथाशीघ्र कार्य शुरू हो जाना चाहिए। पर्यटन मंत्री ने डेलायट संस्था के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि नैमिषारण्य सहित आसपास के अन्य तीर्थ स्थलों पर नाइट विजन कैमरे लगाये जाए। इसके अलावा विन्ध्याचल धाम व चित्रकूट के तीर्थ स्थलों पर कैमरे स्थापित किये जाये, इन कैमरों को 15 नवम्बर तक स्थापित करके दिसम्बर तक चालू स्थिति में लाये जाने का हरसंभव प्रयास किये जाये। इससे पर्यटकों के आगमन की तथ्यात्मक गणना हो सकेगी। इसके अलावा प्रदेश में रेस्टोरेन्ट एवं ढ़ाबों की संख्या भी एकत्रित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के 14 सर्किट के अंतर्गत 60 जनपदों के वास्तविक आंकड़ें तथा पर्यटकों की संख्या में बढ़ोत्तरी के बारे में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। पर्यटन मंत्री आज यहां गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन के सभागार में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लिए संस्था द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना एवं भविष्य की रणनीतियों पर व्यापक विचार-विमर्श कर रहे थे। इस समीक्षा बैठक में मा0 मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश अवस्थी तथा वरिष्ठ विभागीय अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने डेलॉयट संस्था को निर्देशित किया कि काशी, विध्यांचल धाम तथा नैमिषारण्य में निवेश एवं पर्यटन संसाधनों के प्रचार के लिए कार्ययोजना तैयार की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि कार्ययोजना बनाने के साथ ही उसके क्रियान्वयन पर विशेष फोकस करें। प्रदेश में मेडिकल सेक्टर पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। राजधानी सहित अन्य बड़े जनपदों में मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है, इसमें विदेशियों की संख्या भी काफी है। डेलायट कम्पनी ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में 1000 होटलों के मानचित्र स्वीकृत हुए हैं। इन होटलों के अस्तित्व में आने से पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



श्री जयवीर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन सेक्टर में काफी बदलाव आयें हैं। कानून व्यवस्था के साथ ही कनेक्टिविटी बेहतर की गई है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन के 14 परिपथ मौजूद हैं। इस सर्किट से जुड़े स्थलों का सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों तथा रोड-शो के माध्यम से प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। डेलॉयट संस्था ने बताया कि शीघ्र ही विंध्याचलधाम तथा नैमिषारण्य में पर्यटकों के आगमन तथा उनके अनुभव पर आधारित अभियान चलाया जायेगा। मा0 मंत्री जी ने कहा कि पर्यटकों के गिनती के आंकड़े वास्तविक होने चाहिए।

संतुलित और पौष्टिक आहार स्वस्थ जीवन की पहली आवश्यकता : श्री केशव प्रसाद मौर्य

प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों को बढ़ावा देने से किसानों की आय और जनस्वास्थ्य दोनों को मिलेगा लाभ

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार संभावनाएं, एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बाजार से जोड़ने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना आवश्यक है। तत्कालिक स्वाद के लिए ऐसे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा तेल की खपत में कमी करने तथा चीनी का सेवन कम करने के आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने मार्च 2026 में भी चीनी का सेवन कम करने और खाना पकाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत कमी लाने का आह्वान किया था। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य मंगलवार को लखनऊ के होटल क्लार्क अवध में आयोजित 'Eat Right Summit' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक खाद्य संस्कृति में पहले से ही ऐसे अनेक पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल रहे हैं, जिन्हें आज आधुनिक जीवनशैली में फिर से अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। गांव में बचपन से खाए जाने वाले चना, सरसों का साग, मक्के और बाजरे की रोटी जैसे खाद्य पदार्थ आज बड़े होटलों के मेन्यू में भी दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव इस बात का संकेत है कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और वे अपने भोजन की गुणवत्ता को लेकर अधिक सजग हो रहे हैं। श्री मौर्य ने कहा कि श्रीअन्न एवं मिलेट्स हमारी पारंपरिक खाद्य विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के रूप में मनाए जाने से श्रीअन्न के प्रति देश और दुनिया में जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज पौष्टिक होने के साथ-साथ किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं और इनके उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी जा सकती है। उन्होंने प्राकृतिक एवं ऑर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि आज उपभोक्ता खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उत्पादन पद्धति को लेकर पहले की अपेक्षा अधिक जागरूक हैं। प्राकृतिक तरीके से तैयार उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। किसानों को भी इस बदलती मांग का लाभ मिलना चाहिए और गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है।

लखनऊ में राजभर के आवास का घेराव, बोले- राजभर चाचा न्याय करो

68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के आवास का घेराव किया। वे उनके घर के बाहर बैठ गए और नारे लगाए- 'राजभर चाचा न्याय करो।' अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें जबरन वहां से हटाकर ईको गार्डन भेज दिया। उन्होंने पुलिस पर बदसलूकी और कपड़े फाड़ने का भी आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान ओम प्रकाश राजभर ने अभ्यर्थियों को बातचीत के लिए बुलाया और उनसे मुलाकात की। अभ्यर्थी 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल नवीन ने कहा कि 10 सितंबर को अभ्यर्थियों की बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी से मुलाकात हुई थी।

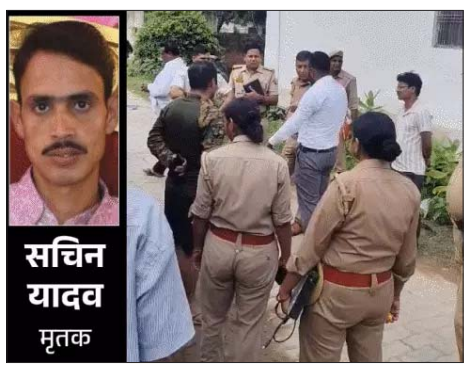


बैठक में दोनों विभागों के कई अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में मंत्रियों और अधिकारियों ने भी माना कि भर्ती में घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य पिछड़ा आयोग और राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग भी इस मामले को मान चुके हैं। अब सरकार के मंत्री और अधिकारी भी इसे स्वीकार कर रहे हैं। इसके बावजूद अभ्यर्थियों को नौकरी क्यों नहीं दी जा रही है। आशुतोष वर्मा ने कहा कि जब तक भर्ती शेड्यूल जारी नहीं हो जाएगा संघर्ष जाएगा हम पिछले 8 साल से नौकरी के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती में बड़े स्तर पर आरक्षण घोटाला हुआ है। राज्य और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भी आरक्षण में गड़बड़ी की बात मानते हुए नियमों का पालन करने का आदेश दिया है। आशुतोष ने कहा कि हमारी मांग है कि आयोग के आदेशों का पालन किया जाए।

वारदात : लखनऊ में पत्नी बोली- घूमने से मना करने पर घर से निकले, पैरों पर करंट के निशान

घर से 300 मीटर दूर मिला युवक का शव

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब 25 वर्षीय युवक का शव उसके घर से करीब 300 मीटर दूर एक मकान के बाहर संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। युवक के दोनों पैरों के तलवों पर बिजली के करंट से झुलसने के निशान पाए गए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रहीमाबाद निवासी मेड़ी लाल यादव के बेटे सचिन यादव उर्फ राजा के रूप में हुई है। सचिन ट्रैक्टर चलाने का काम करता था। करीब डेढ़ साल पहले उसकी शादी आयुषी से हुई थी। दंपती का आठ महीने का बेटा कान्हा है। युवक की संदिग्ध मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक की पत्नी आयुषी के मुताबिक, सचिन सोमवार सुबह करीब सात बजे घर से निकले थे। दोपहर करीब तीन बजे वह वापस घर लौट आए थे। घर आने के बाद सचिन ने आयुषी से कहीं घूमने चलने की बात कही थी, लेकिन आयुषी ने जाने से मना कर दिया। इसके बाद सचिन घर से निकल गए। परिवार को अंदाजा नहीं था कि इसके बाद उनके साथ कोई अनहोनी हो जाएगी। मंगलवार सुबह परिवार को सचिन के संदिग्ध हालात में मिलने की सूचना मिली तो सभी मौके पर पहुंचे। गलवार सुबह करीब पांच बजे रमेश ने अपने घर के बाहर दीवार के पास एक युवक को पड़ा देखा। पास जाकर पहचान होने पर पता चला कि वह सचिन यादव है।

पुलिस ने हिरासत की बात से किया इनकार

एसीपी कृष्णानगर अभिषेक पांडे ने हत्या की बात और किसी युवक को हिरासत में लिए जाने से इनकार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, फिलहाल मौत की सही वजह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल सकेगा कि सचिन की मौत किन परिस्थितियों में हुई। रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



फॉरेंसिक टीम ने मौके से जुटाए साक्ष्य

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसीपी कृष्णानगर अभिषेक पांडे और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और वहां से जरूरी साक्ष्य जुटाए। फॉरेंसिक जांच के दौरान घटनास्थल की स्थिति, युवक के शव और आसपास मौजूद परिस्थितियों को देखा गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में सचिन के पैरों के तलवों पर बिजली के करंट से झुलसने के निशान पाए गए हैं। इसी वजह से घटना को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि, इन निशानों से ही मौत की वजह को अंतिम रूप से तय नहीं किया जा सकता।

कृष्णानगर में महिला की हत्या का 25 हजार का इनामी आरोपी मुठभेड़ में घायल

150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। कृष्णानगर थाना क्षेत्र में महिला की नृशंस हत्या के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को कृष्णानगर पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई में मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर की रात नारायणपुरी निवासी राधा की ईंट-पत्थरों से सिर पर वार कर हत्या कर दी गई थी। मामले में उसकी मां रेखा सिंह की तहरीर पर कृष्णानगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के स्तर से तीन टीमें गठित की गई थीं।

जांच के दौरान पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों के करीब 150 से 170 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के साथ अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया। इसी क्रम में 28/29 सितंबर की रात डूडा कॉलोनी, आशाराम बापू मार्ग, विजयनगर के पास पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध स्कूटी सवार को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध भागने लगा और असंतुलित होकर गिर गया। इसके बाद उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी। घायल आरोपी की पहचान भोला राजपूत (22) पुत्र बाबूलाल, निवासी ग्राम नदौहा, थाना सोहरामऊ, उन्नाव के रूप में हुई। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। वारदात में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की गई है। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित कई बड़े पदाधिकारी आएंगे, बूथ से लेकर संगठन तक समीक्षा

मथुरा में 3 और 4 अक्टूबर को बीजेपी-आरएसएस की बैठक

तैयारी

- बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महामंत्री संगठन बीएल संतोष समेत कई बड़े नेता शामिल होंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को तेज करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में 3 और 4 अक्टूबर को मथुरा में भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के



पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक प्रस्तावित है। बैठक में संगठन की जमीनी स्थिति, कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक और आगामी चुनाव को लेकर तैयारियों पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष समेत पार्टी और संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह तथा दोनों उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के भी बैठक में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, बैठक में शामिल होने वाले सभी नेताओं की अंतिम सूची और कार्यक्रम की औपचारिक जानकारी बाद में स्पष्ट होगी। चुनावी तैयारियों के लिहाज से बूथ स्तर के संगठन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की सक्रियता, संगठनात्मक कार्यक्रमों और क्षेत्रवार स्थिति की समीक्षा बैठक के प्रमुख विषयों में शामिल हो सकती है।

मथुरा में बैठक की तैयारियां तेज

दो दिवसीय बैठक के लिए स्थान अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक वृंदावन, गोवर्धन और परखम स्थित कामधेनु गौ अनुसंधान केंद्र में से किसी एक स्थान को बैठक के लिए चुना जा सकता है। इनमें वृंदावन की संभावना अधिक बताई जा रही है। यहां दो संभावित स्थानों का निरीक्षण भी किया गया है। इनमें से किसी एक स्थान को जल्द अंतिम रूप दिए जाने की बात कही जा रही है। बैठक को लेकर स्थानीय स्तर पर भी तैयारियां शुरू होने की संभावना है। भाजपा और संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के एक साथ जुटने के कारण सुरक्षा, आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी संबंधित स्तर पर तैयारियां की जाएंगी।

2027 के चुनाव की तैयारियों पर रहेगा फोकस

बैठक का प्रमुख एजेंडा उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों से जुड़ा रहेगा। पार्टी संगठन की बूथ स्तर तक स्थिति की समीक्षा के साथ यह भी देखा जाएगा कि अलग-अलग क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियां किस तरह चल रही हैं। भाजपा की ओर से बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल और जिला स्तर तक संगठन को सक्रिय रखने पर लगातार जोर दिया जा रहा है। बैठक में इन सभी स्तरों की तैयारियों की जानकारी ली जा सकती है। साथ ही कार्यकर्ताओं और स्थानीय संगठन से मिले फीडबैक के आधार पर आगे की रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है।

मौजूदा मुद्दों पर भी हो सकता है मंथन

बैठक में संगठनात्मक तैयारियों के साथ प्रदेश में चल रहे मौजूदा मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। अलग-अलग क्षेत्रों से पार्टी संगठन को मिले फीडबैक के आधार पर स्थानीय स्तर की चुनौतियों और उनसे निपटने के तरीकों पर विचार किया जा सकता है।

पार्टी के सामने चुनाव से पहले संगठन को लगातार सक्रिय रखने और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने की चुनौती भी रहेगी। ऐसे में बैठक में जमीनी स्तर से प्राप्त जानकारी को वरिष्ठ नेतृत्व के सामने रखा जा सकता है और उसके आधार पर आगामी कार्यक्रमों की दिशा तय की जा सकती है।

गोवर्धन में सेवा संकल्प यात्रा का भव्य स्वागत



तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के जनसेवा काल को समर्पित 'वडनगर से वाराणसी सेवा संकल्प यात्रा' सोमवार को गोवर्धन पहुंची। भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और जयकारों के साथ यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के रथ पर '25 Years- Seva Ka Pramaan' के तहत चंद्रयान-3, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत, उज्ज्वला योजना और अनुच्छेद 370 सहित विभिन्न उपलब्धियां प्रदर्शित की गईं। विधायक ठा. मेघश्याम सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष लम्बरदार समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत कर गिरिराज महाराज के जयकारे लगाए। विधायक ने कहा कि यह यात्रा सेवा और संकल्प की प्रेरणा है। इसके बाद यात्रा सैकड़ों बाइकों के काफिले के साथ वृंदावन होते हुए काशी के लिए रवाना हो गई।

फास्ट न्यूज

मथुरा में महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

मथुरा। मथुरा में मंगलवार दोपहर महिला कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचीं। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए आगरा में प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए कांग्रेस नेताओं की रिहाई की मांग की। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देकर अपनी मांग शासन तक पहुंचाने की बात कही। कांग्रेस नेता गीता दिवाकर ने आरोप लगाया कि SIR के जरिए वोटों की चोरी की गई है।

मुरादाबाद में पकड़ा गया 21वां तेंदुआ

मुरादाबाद। मुरादाबाद के कांठ तहसील के सिकंदराबाद गांव में वन विभाग के पिंजरे में 21वां तेंदुआ कैद हुआ है। अब तक ठाकुरद्वारा में 15 और कांठ तहसील में 6 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। वन विभाग के अनुसार, अब तक 3 तेंदुओं की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हुई है। वहीं तेंदुओं के हमलों में 4 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें 3 महिलाएं और एक पुरुष हैं। कई लोग घायल भी हुए हैं। तेंदुओं को पकड़ने के लिए जिले में 46 पिंजरे लगाए गए हैं। वन विभाग की टीमें ड्रोन और कैमरा ट्रैप से निगरानी कर रही हैं। 3 अगस्त से रेस्क्यू अभियान चल रहा है।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ के खैर थाना क्षेत्र में काम पर गए करण (20) की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। करण के भाई अर्जुन ने थाने में शिकायत देकर मामले की जांच की मांग की है।

परिवार का आरोप है कि करण की मौत की जानकारी उन्हें समय पर नहीं दी गई। अर्जुन के मुताबिक, करण सोमवार को काम पर गया था। शाम करीब 7:30 बजे परिवार को उसकी मौत की जानकारी मिली।

मोटिवेशनल क्लास में विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

अतुल कुमार जिंदल ने लक्ष्य, अनुशासन और समय के सदुपयोग को बताया सफलता की कुंजी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज महावन में मंगलवार को विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल क्लास का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज), मथुरा के अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने विद्यार्थियों से सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन के साथ मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अतुल कुमार जिंदल ने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए सबसे पहले अपना लक्ष्य स्पष्ट करना जरूरी है। इसके बाद अनुशासन के साथ लगातार मेहनत और समय का सही इस्तेमाल सफलता की राह आसान करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार प्रयास करते रहने का



श्री गुरु कार्ष्णिण इंटर कॉलेज महावन मे एक छात्र को पुरुस्कृत करते मुख्य अतिथि अतुल कुमार जिंदल साथ में प्रधानाचार्य जितेंद्र मिश्र एवं अन्य शिक्षक

आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को अपने व्यवहार, संस्कार और चरित्र पर भी ध्यान देना चाहिए। केवल अच्छे अंक हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवन में अच्छे संस्कार और बेहतर व्यक्तित्व का विकास भी जरूरी है। मोटिवेशनल क्लास के दौरान विद्यार्थियों को मोबाइल और सोशल मीडिया के अनावश्यक इस्तेमाल से बचने की सलाह दी गई।

रंगों में बच्चों ने सजाया संकल्प, सांसद ने बढ़ाया हौसला

मथुरा। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत चित्रकला प्रदर्शनी आयोजित की गई। परिषदीय, कस्तूरबा और मान्यता प्राप्त विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी कल्पनाओं और रचनात्मक सोच को रंगों के माध्यम से कागज पर उकेरा। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के साथ माता-पिता और अभिभावकों ने भी उत्साह से भाग लिया। सांसद तेजवीर सिंह और बल्देव विधायक पूरन प्रकाश ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों की पेंटिंग की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में बच्चों की कला में समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच की झलक दिखाई दी। लय शिक्षिकाएं, अभिभावक और नागरिक मौजूद रहे। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ सृजनात्मक और प्रेरणादायी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

बीएमएस के छात्रों ने पंचकर्म रिजल्ट में गड़बड़ी के लगाए आरोप, कुलपति के खिलाफ की नोरबाजी

आगरा में एनएसयूआई का कुलपति आवास पर हंगामा



तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में पंचकर्म रिजल्ट में गड़बड़ी को लेकर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा। मंगलवार को NSUI संगठन के साथ BMS के छात्रों ने कुलपति आवास के बाहर धरना शुरू कर दिया। छात्रों ने कुलपति मुर्दाबाद के नारे लगाए और जमकर नारेबाजी की।

छात्रों का आरोप है कि पंचकर्म के रिजल्ट में बड़ी गड़बड़ी हुई है। शिकायत के बाद भी सुधार नहीं किया गया। इसको लेकर छात्र लंबे समय से परेशान हैं।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि जब तक रिजल्ट ठीक नहीं होता, उनका धरना जारी रहेगा।

NSUI ने चार मांगें रखी हैं।



उन्होंने मांग की कि पंचकर्म के रिजल्ट को तुरंत ठीक किया जाए और जर्जर पड़े छात्रावास को तोड़कर नया बनाया जाए।

छात्रों का कहना है कि जब तक कोई अधिकारी उनसे बात नहीं करता, वे यहीं बैठे रहेंगे। छात्रों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के चलते कुलपति आवास के बाहर पुलिस तैनात रही।

छात्रों ने 4 मांगे रखीं, नया छात्रावास बने

NSUI छात्र नेता सतीश सिकरवार ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि BMS के छात्र कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन बड़े स्तर पर अधिकारियों ने खेल किया है। इसी वजह से रिजल्ट ठीक नहीं किया जा रहा और बार-बार टाला जा रहा है। सिकरवार ने कहा कि पहले एक टीचर बड़ी संख्या में छात्रों को फेल कर देता है, वहीं दूसरा टीचर पास कर देता है। इसमें भ्रष्टाचार साफ दिखाई देता है। उन्होंने मांग की कि BMS छात्रों का चैलेंज वैल्यूएशन कराया जाए, नया छात्रावास बनाया जाए और सीट संख्या बढ़ाई जाए। चारों मांगें पूरी की जाएं।

छात्रों ने कहा- मांगे पूरी नहीं हुईं तो धरना जारी रहेगा

वहीं BMS छात्र मुकुल ने बताया कि पंचकर्म के रिजल्ट में 80 प्रतिशत छात्रों को फेल कर दिया गया। प्रदर्शन के बाद दो दिन में रिजल्ट ठीक कर छात्रों को पास कर दिया गया। लेकिन जो छात्र रह गए, उनका चैलेंज वैल्यूएशन नहीं कराया जा रहा। चैलेंज की बात करने पर पुराने नंबर ही दिए जा रहे हैं। किसी के 50 नंबर बढ़ा दिए, किसी के कम कर दिए।

दौड़ लगाते समय किशोर की मौत

साथियों से कहा- मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं, अस्पताल में तोड़ा दम

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। फतेहाबाद के निबोहरा थाना क्षेत्र के पल्टुआ पुरा गांव में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दौड़ लगाने निकले 15 वर्षीय किशोर की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। किशोर अपने साथियों के साथ गांव के बाहर दौड़ लगाने गया था। इसी दौरान अचानक उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी और वह जमीन पर बैठ गया। कुछ ही देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। जानकारी के अनुसार पल्टुआ पुरा गांव निवासी 15 वर्षीय गिरीश कुमार मंगलवार सुबह अपने साथियों के साथ दौड़ लगाने के लिए घर से निकला था। गांव के बाहर पहुंचने के बाद दौड़ लगाते समय अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई। गिरीश ने अपने साथियों से कहा कि उसे सांस लेने



में दिक्कत हो रही है। इसके बाद उसने साथियों से घरवालों को सूचना देने के लिए कहा। गिरीश की तबीयत अचानक बिगड़ने से उसके साथ दौड़ रहे साथी घबरा गए। उन्होंने तत्काल उसके परिवार को घटना की जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक किशोर की हालत गंभीर हो चुकी थी। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गिरीश की अचानक हुई मौत से गांव के लोग भी स्तब्ध हैं। जिस किशोर को सुबह अपने साथियों के साथ दौड़ लगाते हुए देखा गया था, उसकी कुछ ही देर बाद मौत की खबर से ग्रामीणों में शोक फैल गया।

पांचवीं कक्षा में पढ़ता था गिरीश

गिरीश पोहप सिंह का बेटा था और कक्षा पांच में पढ़ता था। वह पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। परिजनों के मुताबिक वह रोजमर्रा की तरह अपने साथियों के साथ दौड़ लगाने के लिए घर से निकला था। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही देर बाद परिवार को उसकी मौत की खबर मिलेगी।

गिरीश की हालत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही उसके साथियों ने परिजनों को सूचना दी। परिवार के लोग तत्काल मौके पर पहुंचे और गिरीश को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की अचानक मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

डिजाइन थिंकिंग कार्यशाला में विद्यार्थियों ने बनाए पांच प्रोटोटाइप

विचार-मंथन और रैपिड प्रोटोटाइपिंग के जरिए सीखे समस्या समाधान के तरीके

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज की ओर से साहिबाबाद स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में आयोजित दो दिवसीय डिजाइन थिंकिंग कार्यशाला का सफल समापन हुआ। कार्यशाला में विद्यार्थियों को वास्तविक इंजीनियरिंग समस्याओं को समझने और उनके व्यावहारिक समाधान विकसित करने का अवसर मिला। इस दौरान छात्रों ने डिजाइन थिंकिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से अपने विचारों को वास्तविक मॉडल में बदलने का अनुभव प्राप्त किया। कार्यशाला के पहले दिन विद्यार्थियों को समानुभूति (एम्पैथी) और विचार-मंथन (आइडिएशन) की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को किसी समस्या को केवल तकनीकी नजरिए से देखने के



बजाय उससे जुड़े उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और चुनौतियों को समझने पर जोर दिया गया। इसके बाद विचार-मंथन के माध्यम से विद्यार्थियों ने अलग-अलग संभावित समाधानों पर चर्चा की और नए विचार विकसित किए। इस प्रक्रिया ने छात्रों को रचनात्मक तरीके से समस्याओं का विश्लेषण करने का अवसर दिया। कार्यशाला के दूसरे दिन का मुख्य फोकस रैपिड प्रोटोटाइपिंग पर रहा। विद्यार्थियों ने पहले दिन विकसित किए गए विचारों को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में काम किया। इस दौरान उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि किसी विचार को वास्तविक मॉडल में बदलते समय किन तकनीकी और उपयोगकर्ता संबंधी पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों की पांच टीमों ने मिलकर पांच अलग-अलग प्रोटोटाइप तैयार किए। टीमों ने सामूहिक प्रयास, रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान की तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए जटिल इंजीनियरिंग समस्याओं के उपयोगकर्ता-केंद्रित समाधान प्रस्तुत किए। प्रोटोटाइप तैयार करने की प्रक्रिया में छात्रों ने अपने विचारों की उपयोगिता को समझने के साथ-साथ उन्हें मॉडल के रूप में प्रस्तुत करने का व्यावहारिक अनुभव भी हासिल किया। कार्यशाला के आयोजन से कॉर्पोरेट और शैक्षणिक जगत के बीच सहयोग को भी बढ़ावा मिला।

पृष्ठ 01 का शेष...

फसल नुकसान का ...

प्रशासन और सिंचाई विभाग के अधिकारी भी लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। तटबंध टूटने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से लगातार स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके अलावा सभी पीएचसी और सीएचसी में एंटी स्नेक वेनम तथा एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। सोमवार देर रात तटबंध टूटने की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से लगातार जानकारी ली और राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा समाप्त होने के बाद वह स्वयं कुशीनगर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, कुशीनगर सांसद विजय दूबे, विधायक डॉ. असीम कुमार, सुरेंद्र चौरसिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व आईएएस दिव्या ...

दिव्या ने IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से MBA करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली नौकरी की थी। मैंने कुछ दिन पहले IAS से त्यागपत्र दिया और आपके मन में कई सवाल छोड़ दिए। कुछ दिनों तक जवाब नहीं दिया, क्योंकि काम बड़ा था। मैं हौसला जुटा रही थी, लेकिन आज सवालों के जवाब देने आई हूं। लोगों ने मुझे पूछा, सब कुछ तो बन गईं, अब और क्या बनना है? मेरा जवाब है- राजनीति करूंगी। मुझे उन लोगों की आवाज बनना है, जिनकी आवाज किसी दफ्तर तक नहीं पहुंच पाती और अगर पहुंच भी जाए तो सुनी नहीं जाती। एक बार मैं लहुरियादह की पहाड़ी पर पानी पहुंचाने के लिए निरीक्षण कर रही थी, तभी एक महिला आई। मुझे लगा, उसे कुछ चाहिए होगा। शायद पेंशन या पक्का मकान। उसने मुझसे कहा- 'मैडम, आपसे कुछ मांगना है।' उसने जो मांगा, उससे मेरा सिर शर्म से झुक गया। उसने कहा- 'मैडम, हमारे गांव में स्कूल केवल 5वीं कक्षा तक है। उसके बाद जंगल और पहाड़ के बीच में बच्चों की पढ़ाई का अंत हो जाता है। मुझे आगे की कक्षा तक अपने गांव में स्कूल चाहिए।' उस वक्त तक उस महिला के घर में पानी नहीं था। उसने स्कूल मांगा। मैंने नियम देखे, स्कूल मंजूर किया। आज 3 साल हो जाने के बाद वह स्कूल बनना शुरू नहीं हुआ। अब मुझे बताइए कि क्या नहीं था? पैसा नहीं था, नियम नहीं था, स्वीकृति नहीं थी? बस इरादा नहीं था। अगर इरादा होता तो पहाड़ भी रास्ता दे देता। इरादा नहीं था तो एक फाइल ही पहाड़ बन गई। मुझे उन गायब स्कूलों का हिसाब चाहिए। दिव्या मित्तल ने कहा- जब मैं विशेष सचिव राजस्व थी, एक आदमी पन्नी में कागज लपेटे हुए आया। उसने कहा- 'मैडम, मैं भूमिहीन था। कुछ साल पहले SDM ने सरकारी जमीन का मुझे पट्टे पर दे दिया। कागज तो मिल गए, लेकिन जमीन पर कब्जा नहीं मिला।' मैंने उसके कागज देखे, रिपोर्ट सरासर झूठी थी। मैंने संबंधित जिले के अधिकारी से बात की। उसने माना कि रिपोर्ट गलत है। रिपोर्ट वापस हुई, बनाने वाले पर कार्रवाई हुई। इसके बाद उसे कब्जा दिलाना था। मैंने दो बार फोन किया, तीन बार कहलवाया तो वहां से जवाब आया कि ऊपर से मना किया गया है। यह ऊपर कौन है? संविधान तो कहता है कि सबसे ऊपर लोग हैं। तो उसे न्याय के लिए इधर-उधर क्यों भटकना पड़ रहा है? मुझे उन पन्नियों में लिपटे अन्याय का हिसाब चाहिए। हजारों गांव हैं, जहां आज भी सड़क नहीं है। नदी है तो पुल नहीं है। बरसात में गांव टापू बन जाता है। पीढ़ियों से इंतजार चल रहा है। अगर सड़क है तो गड्ढे हैं। इन सड़कों पर नन्हे पांव पर चलकर स्कूल जाते हैं। लेकिन कीचड़ के दाग सफेद कपड़ों तक नहीं पहुंच पाते। उसी गड्ढे में कोई मोटरसाइकिल वाला गिरता है, तो उसके खून के छींटे भी उनके कपड़ों तक नहीं पहुंच पाते। उनको जानकारी नहीं है, ऐसा नहीं है। उनको पता है कि गड्ढा कहां है, फाइल का नंबर क्या है और मौतों का आंकड़ा क्या है। नहीं है तो फिक्र। जब फिक्र नहीं होती तो मौत हादसा नहीं, फैसला होती है। मुझे उन मौतों का हिसाब चाहिए। मैं साधारण परिवार की लड़की थी। इस देश ने मुझसे वादा किया था कि 'पढ़ेगी तो बढ़ेगी'। मैंने पढ़ा और आज मैं आपके आगे खड़ी हूं। लेकिन आज के बच्चों का वादा क्या? जो रात-रात भर पढ़ रहे हैं। पेपर लीक हो जाता है। 5 साल तक तैयारी करो और फैसला किसी कोर्ट में। जो किसान जमीन गिरवी रखकर बेटे को इंजीनियर बना रहा है, या जो मां जेवर बेचकर बेटी को कोचिंग करा रही, क्या उन्हें पता है कि उनका भविष्य सुरक्षित है या नहीं? आज के समय में बहुत सारे काम एआई करेगा। हर नौजवान को इस बात का डर है। मैं दो बेटियों की मां हूं, छोटी हैं, लेकिन मुझे अभी भी इसकी चिंता है। उनके पास जवाब नहीं है, कोई बात नहीं, किसी के पास नहीं है। लेकिन सवाल तो हो सकता था? सोच तो हो सकती थी? कोई सदन नहीं है, जहां पर इसके बारे में बात हो रही हो। हमारे बच्चे जिस भविष्य की ओर चल रहे हैं, उसकी किसी को चिंता ही नहीं है। मुझे वो राजनीति नहीं करनी, जो लोगों को सीढ़ी बनाकर सत्ता तक पहुंच जाए। वो राजनीति करनी है, जो लोगों को सुनती है और वहीं पर रुक जाती है, क्योंकि लोग ही तो मंजिल हैं। यहीं पर दूसरे सवाल का जवाब आता है। जब मंजिल आप हैं, तो मंजिल तक पहुंचने वाला रास्ता भी सिर्फ आप ही से होकर गुजरेगा, किसी झंडे (पार्टी) के नीचे नहीं।

'एसआईआर में ...

प्रशासन और सिंचाई विभाग के अधिकारी भी लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। तटबंध टूटने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से लगातार स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके अलावा सभी पीएचसी और सीएचसी में एंटी स्नेक वेनम तथा एंटी रैबीज वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है। सोमवार देर रात तटबंध टूटने की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से लगातार जानकारी ली और राहत-बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की श्रद्धांजलि सभा समाप्त होने के बाद वह स्वयं कुशीनगर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, देवरिया सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, कुशीनगर सांसद विजय दूबे, विधायक डॉ. असीम कुमार, सुरेंद्र चौरसिया समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।महाराष्ट्र CEO ने अपने लेटर में खासतौर पर उन मामलों का जिक्र किया, जिनमें रिकॉर्ड में गड़बड़ी मिलने के बाद मतदाताओं को नोटिस दिया जाता है। उनका कहना है कि बुजुर्गों, दिव्यांगों और दूसरे कमजोर वर्गों के लोगों को हर मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। सॉफ्टवेयर में ERO को मामले के हिसाब से फैसला लेने का विकल्प मिलना चाहिए। विवाद के बीच 26 सितंबर को दिल्ली में चुनाव आयोग की बैठक हुई। इसमें आपत्तियों पर फैसला लिए गए। महाराष्ट्र की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 31 अगस्त को जारी हुई थी। ड्राफ्ट में राज्य के करीब 21.1% मतदाताओं की संख्या कम हुई थी। अंतिम वोटर लिस्ट 16 नवंबर को जारी होनी है। फिलहाल ड्राफ्ट लिस्ट पर दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया चल रही है। इसी दौरान रिकॉर्ड में गड़बड़ी वाले मामलों की जांच और नोटिस की प्रक्रिया भी जारी है। इन आपत्तियों में वोटर लिस्ट, SIR और ECINet से जुड़े फैसले शामिल थे। दोनों चुनाव आयुक्तों ने ECINet में फैसले लेने और सॉफ्टवेयर का कंट्रोल दिल्ली से होने पर सवाल उठाए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका कहना था कि वोटर लिस्ट से जुड़े कानूनी अधिकार ERO, जिला निर्वाचन अधिकारी और CEO के पास हैं। इसलिए ECINet में भी इन अधिकारियों को अपने अधिकारों के मुताबिक काम करने की सुविधा मिलनी चाहिए।

भारत की ओपन-विमेंस टीम बेस्ट टीम चुनी गई, लगातार तीसरी बार नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी जीती

फाइड अवॉर्ड्स : दिव्या देशमुख बनीं बेस्ट फीमेल चेस प्लेयर

सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय चेस ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को FIDE एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में बेस्ट चेस प्लेयर (फीमेल) चुना गया है।

पिछले एक साल में विमेंस वर्ल्ड कप में उनके खिताबी प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें यह सम्मान मिला। उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को बेस्ट चेस प्लेयर चुना गया।

समरकंद में हुए 46वें चेस ओलिंपियाड के बाद हुए FIDE एक्सीलेंस अवॉर्ड्स में भारतीय चेस का दबदबा रहा। ओपन और विमेंस नेशनल टीमों को सभी देशों



के मुकाबले सबसे ज्यादा कंबाइंड पॉइंट्स हासिल करने के लिए बेस्ट टीम चुना गया। वहीं, ऑल इंडिया चेस फेडरेशन (AICF) को बेस्ट फेडरेशन कैटेगरी में तीसरा स्थान मिला। समरकंद में भारतीय ओपन टीम ने सिल्वर मेडल, जबकि वूमेंस टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में कुल 6 इंडिविजुअल मेडल भी अपने नाम किए। नितिन नारंग के मुताबिक, पुरुष और

अब दो वर्ल्ड चैंपियनशिप पर नजर

समरकंद की सफलता के बाद भारतीय चेस के सामने दो बड़े वर्ल्ड चैंपियनशिप मुकाबले हैं। डी गुकेश नवंबर में जिनेवा में अपने वर्ल्ड चैंपियनशिप टाइटल का डिफेंस करेंगे। वहीं, अगले साल की शुरुआत में आर. वैशाली वूमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप के टाइटल मैच में चुनौती पेश करेंगी। नितिन नारंग के मुताबिक, पुरुष और महिला दोनों वर्गों की वर्ल्ड चैंपियन-शिप में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी देश में चेस के बढ़ते स्तर को दिखाती है।

महिला दोनों वर्गों की वर्ल्ड चैंपिय-नशिप में भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी देश में चेस के बढ़ते स्तर को दिखाती है।

एआईसीएफ अध्यक्ष बोले- भारत के लिए गर्व का पल

AICF अध्यक्ष नितिन नारंग ने भारतीय टीम की उपलब्धि पर कहा, यह भारत और भारतीय चेस के लिए बेहद गर्व का पल है। लगातार तीसरी बार नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी घर लाना, ओपन सेक्शन में सिल्वर, वूमेंस सेक्शन में ब्रॉन्ज और 6 इंडिविजुअल मेडल जीतना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, चेन्नई से बुडापेस्ट और अब समरकंद तक, हमारे खिलाड़ियों ने ग्लोबल स्टेज पर तिरंगे का मान बढ़ाया है। भारत अब सिर्फ चैंपियंस ही पैदा नहीं कर रहा, बल्कि एक ऐसा चेस इकोसिस्टम तैयार कर रहा है जिसे पूरी दुनिया में पहचान मिल रही है।

लगातार तीसरी बार भारत के पास नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी

भारत ने लगातार तीसरी बार नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी अपने नाम की। इससे पहले भारतीय टीम ने 2022 में चेन्नई और 2024 में बुडापेस्ट में हुए चेस ओलिंपियाड में यह ट्रॉफी जीती थी।



नितिन नारंग ने इस सफलता का श्रेय खिलाड़ियों के साथ उनके परिवार, कैप्टन, कोच और सपोर्ट स्टाफ को भी दिया। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी कामयाबी किसी एक व्यक्ति की मेहनत से हासिल नहीं होती। टीम के सपोर्ट स्टाफ ने पर्दे के पीछे रहकर दिन-रात काम किया, जबकि खिलाड़ियों के माता-पिता और परिवार उनकी यात्रा का अहम हिस्सा रहे।

रेप के आरोपी अभिषेक पोरेल की बंगाल टीम में वापसी

असम के खिलाफ प्रैक्टिस मैच खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी



रेप के आरोपी IPL क्रिकेटर अभिषेक पोरेल की बंगाली की सीनियर टीम में वापसी हो गई है। उन्हें कोर्ट से जमानत मिलने के 11 दिन बाद टीम में चुना गया है। अभिषेक को 18 सितंबर को कोर्ट ने जमानत पर रिहा किया था। 23 साल के अभिषेक को असम के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के लिए टीम में चुना गया है। यह मैच रणजी ट्रॉफी की तैयारी के लिए रखा गया है। 30 जून को एक मेडिकल छात्रा ने पोरेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पोरेल ने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है। अभिषेक CAB ने 2026-27 घरेलू सीजन के लिए जारी सीनियर प्रोबेबिल्स की सूची में नहीं थे। अब उन्हें असम के खिलाफ प्रैक्टिस मैच के लिए बंगाल की टीम में जगह दी गई है। बंगाल की टीम 30 सितंबर को कोलकाता से गुवाहाटी रवाना होगी। असम के खिलाफ चार दिन का मैच 2 से 5 अक्टूबर तक बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। अभिषेक पर एक कॉलेज की छात्रा ने रेप, शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने और आपराधिक धमकी देने के आरोप लगाए थे। वे करीब 36 दिन जेल में रहे। 18 सितंबर को उन्हें जमानत मिली। मामला कोर्ट में है। 11 अगस्त को गिरफ्तारी के बाद पोरेल को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा। 14 अगस्त को जमानत नहीं मिली। उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी वनडे से नाथन एलिस बाहर

चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे, जोएल डेविस भी दौरे से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी



ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस के बाएं हिस्से की मांसपेशियों में खिंचाव आया है। इसके कारण वे साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे से बाहर हो गए हैं। वे आगे की जांच और रिहैब के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटेंगे। बाएं हाथ के स्पिनर जोएल डेविस भी चोट के कारण साउथ अफ्रीका दौरा बीच में छोड़ेंगे। उन्हें दूसरे वनडे में सब्सटीट्यूट फील्डिंग के दौरान दाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। डेविस ने इस दौरे पर कोई मैच नहीं खेला। जोहान्सबर्ग में रविवार को खेले गए दूसरे वनडे में एलिस ने सिर्फ 4 ओवर गेंदबाजी की। इसके बाद उन्हें साइड में दर्द हुआ। वे अपना स्पेल पूरा नहीं कर सके। एलिस की चोट से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा नुकसान हुआ। साउथ अफ्रीका ने 365/9 का स्कोर बनाया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया 333 रन पर ऑलआउट हो गया। साउथ अफ्रीका ने 32 रन से मैच जीता और सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। एलिस इस दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख गेंदबाजों में रहे हैं। उन्होंने इस साल वनडे में 22 विकेट लिए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, इस साल वनडे में उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ दो गेंदबाजों ने लिए हैं। अब एलिस के पास अगले अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले छह सप्ताह से ज्यादा का समय है। ऑस्ट्रेलिया की अगली व्हाइट-बॉल सीरीज नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होगी। सीरीज का तीसरा वनडे 30 सितंबर को पोटचे-फस्ट्रूम में खेला जाएगा। शुरुआती दो मैच नहीं खेलने वाले कप्तान पैट कमिंस की वापसी हो सकती है। दूसरे वनडे में आराम करने वाले मिचेल स्टार्क भी लौट सकते हैं। वहीं, पहले दोनों वनडे खेलने वाले जोश हेजलवुड को आराम दिया जा सकता है। जेवियर बार्टलेट के टीम में बने रहने की संभावना है। पैट कमिंस ने अपना आखिरी वनडे 8 नवंबर 2024 को एडिलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। डेविस को दौरे पर मैच खेलने का मौका नहीं मिला जोएल डेविस को ऑस्ट्रेलिया की टीम में दूसरे स्पेशलिस्ट स्पिनर के तौर पर शामिल किया गया था। उन्हें अभी तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला।

बांग्लादेश से खेलेगा पाकिस्तान, चारो क्वार्टर फाइनल मैच बारिश में धुले

भारत-श्रीलंका में होगा एशियाड के मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट का सेमीफाइनल

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स 2026 के मेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। चारों क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके रद्द हो गए। इसके बाद बेहतर ICC टी-20 रैंकिंग के आधार पर भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। निशिन में मंगलवार को श्रीलंका और नेपाल के बीच क्वार्टर फाइनल होना था। मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे शुरू होना था, लेकिन कई घंटे पहले



ही बारिश शुरू हो गई। बारिश रुकने के आसार नहीं दिखे। मैच को टॉस से पहले ही रद्द कर दिया गया। श्रीलंका को उसकी बेहतर सीडिंग का फायदा मिला। श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश टूर्नामेंट की चार टॉप सीडेड टीमें हैं। इनकी सीडिंग ICC टी-20 रैंकिंग के आधार पर तय हुई थी।

बांग्लादेश-मलेशिया मैच भी रद्द

मंगलवार को ही बांग्लादेश और मलेशिया के बीच चौथा क्वार्टर फाइनल भी बारिश में धुल गया। यह मैच टॉस के तय समय से करीब दो घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया। दोनों टीमों को वेन्यू पर नहीं आने के लिए कहा गया था।

बेहतर सीडिंग के कारण बांग्लादेश ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उसका सामना पाकिस्तान से होगा। सोमवार को भारत और अफगानिस्तान के बीच क्वार्टर फाइनल भी बारिश के कारण नहीं हो सका था। भारत को बेहतर सीडिंग के आधार पर सेमीफाइनल में जगह मिली। इसी तरह पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग का क्वार्टर फाइनल भी बारिश के कारण रद्द हुआ था।



भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता।

श्रीलंका के पास भारत को रोकने का मौका

श्रीलंका 2022 के एशियन गेम्स में क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गया था। उसे अफगानिस्तान ने हराया था। इस बार बारिश के कारण बिना खेले सेमीफाइनल में पहुंची श्रीलंकाई टीम के सामने भारत की चुनौती होगी। भारत के खिलाफ सेमीफा-इनल भी बारिश में धुला तो बेहतर सीडिंग के कारण भारत फाइनल में पहुंच जाएगा। 2023 के एशियन गेम्स में बांग्लादेश सेमीफाइनल में भारत से हार गया था। इसके बाद उसने ब्रॉन्ज मेडल मैच में पाकिस्तान को हराकर कांस्य जीता था। बांग्लादेश ने 2014 में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

मनोरंजन

फिल्म रामायण के बिहाइंड द सीन विजुअल आए

रणबीर बोले- ये सिर्फ रोल नहीं, जिम्मेदारी है

मुंबई। सितंबर 2026 को रणबीर कपूर के 44वें जन्मदिन के खास मौके पर मोस्ट अवेटेड फिल्म रामायण का बिहाइंड द सीन वीडियो जारी किया गया है। फिल्म के कई हिस्सों को ग्रीन स्क्रीन में शूट कर VFX के जरिए भव्य इमारत में तब्दील किया गया है। इस दौरान रणबीर कपूर ने भगवान राम का किरदार निभाने की जिम्मेदारी पर भी बात की है। रणबीर कपूर ने भगवान राम का किरदार निभाने की जिम्मेदारी पर कहा है कि यह सिर्फ फिल्म का रोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "यह रोल नहीं है।

रणबीर ने अरुण गोविल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अरुण सर हम सभी के लिए आइकॉनिक भगवान राम हैं। रणबीर ने बताया कि अरुण गोविल की एक बात उनके मन में रह गई। उन्होंने कहा, "क्षमा धर्म, क्षमा यज्ञ, क्षमा वेद, सनातन। भगवान राम की सबसे बड़ी शक्ति उनका धनुष नहीं था। वह उनकी क्षमा थी।

फिल्म 'रामायण' से जुड़ी अहम बातें

- फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे।
- 1987 के टीवी शो 'रामायण' में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल इस फिल्म में राजा दशरथ की भूमिका में दिखेंगे।
- फिल्म का कुल बजट लगभग 4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल करता है।
- फिल्म को नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म दंगल बनाई थी।
- फिल्म का म्यूजिक ऑस्कर विनर ए.आर. रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हैंस जिमर तैयार कर रहे हैं।
- फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स बना रहे हैं। फिल्म IMAX पर रिलीज होगी।
- फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (VFX) का काम ऑस्कर विनर स्टूडियो DNEG और प्राइम फोकस संभाल रहे हैं।
- फिल्म को दो भागों में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा।





मेरे नाम पर लोगों को नौकरी मिल रही

जौहर विवाद पर बोलीं स्वरा भास्कर



मुंबई। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने फिल्म 'पद्मावत' के जौहर सीन पर दिए अपने विवादित बयान पर खुल कर बात की है। स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में स्वरा ने इस पूरे विवाद को राजनीतिक आईटी सेल का प्रायोजित एजेंडा बताया है। स्वरा ने कहा कि कुछ लोग उनके नाम पर अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। स्वरा अभी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। शो के हालिया प्रोमो में स्वरा के इसी विवादित बयान को लेकर कंटेस्टेंट शहजाद पूनावाला और सिवेत तोमर के बीच तीखी बहस हो गई, जो हाथापाई तक पहुंच गई। इंटरव्यू में स्वरा भास्कर ने कहा कि यह करीब 10 साल पुराना विवाद है, जिसे बार-बार बिना वजह उछाला जा रहा है। साल 2018 में जब उन्होंने ओपन लेटर लिखा था, तब भी उन्हें काफी गालियां मिली थीं। अब सिर्फ एक सवाल का जवाब देने पर लोग फिर से वही पुरानी बातें पकड़कर बैठ गए हैं।

रकुल प्रीत-वाशु भगनानी के ठिकानों पर आईटी की रेड

12 जगहों पर आयकर विभाग की जांच जारी



66 रकुल प्रीत सिंह का परिवार पहले भी कानूनी विवादों में रह चुका है। दिसंबर 2025 में मुंबई पुलिस ने ड्रग्स केस में रकुल के भाई अमन प्रीत सिंह की तलाश शुरू की थी। ड्रग लॉ एनफोर्समेंट फोर्स और वेस्ट जोन पुलिस ने दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 43 ग्राम कोकीन और 11.5 ग्राम टऊटअ जब्त किया था। जांच के दौरान आरोप लगा था कि अमन प्रीत सिंह ने उन तस्करों से पांच बार नशीले पदार्थ खरीदे थे।

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने मुंबई में बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह, उनके ससुर और फिल्म प्रोड्यूसर वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियो से जुड़ी 12 जगहों पर छापेमारी की है। TV9 की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्रवाई सोमवार को टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और फंड में गड़बड़ी की शिकायत के बाद शुरू की गई। विभाग की टीमों ने एक साथ सभी ठिकानों पर तलाशी अभियान च ल ाय ा। अधिकारियों को शक है कि फिल्म प्रोजेक्ट्स, विदेशी डिस्ट्रीब्यूशन और शूटिंग के नाम पर



भारी रकम विदेश भेजी जा रही थी। विभाग फिलहाल वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रहा है। आयकर विभाग की कई टीमें मुंबई में एक साथ दस्तावेजों, फाइनेंशियल रिकॉर्ड्स और विदेशी लेनदेन की डिटेल्स की जांच कर रही हैं। विभाग को पिछले कुछ समय से जानकारी मिल रही थी कि फिल्मों की शूटिंग और विदेशी डिस्ट्रीब्यूशन के बहाने बड़ी रकम विदेश भेजी जा रही थी। अधिकारियों के मुताबिक, अभी जांच जारी है और रेवेन्यू टैक्स से जुड़ी गड़बड़ियों का आंकलन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश सरकार और हनुमान अंश प्रोड्यूसर अनुप्रिया ने ली जिम्मेदारी, बचपन से दृष्टिबाधित हैं सुनील लोधी

'तेरे ही भरोसे हनुमान' सिंगर की आंखो का इलाज होगा

नई दिल्ली। फिल्म 'हनुमान अंश' में 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान' भजन गाकर फेमस हुए सुनील लोधी की आंखो का इलाज होगा। फिल्म प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर ने सुनील के इलाज में मदद करने की पहल की है। खास बातचीत में अनुप्रिया ने बताया कि सुनील के मुंबई आने पर उनकी आंखों की विशेषज्ञ से जांच कराई जाएगी और नवंबर से उनके ट्रीटमेंट की शुरुआत होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी अस्पताल और इलाज की पूरी प्रक्रिया तय नहीं हुई है। सुनील लोधी बचपन से ही दृष्टिबाधित हैं। अनुप्रिया ने बताया कि सुनील जब पिछली बार मुंबई आए थे, तब उन्होंने उनके लिए आई-स्पेशलिस्ट से अपॉइंटमेंट भी लिया था, लेकिन वह जांच नहीं हो



पाई। इसी भावना ने उन्हें सुनील के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित किया। अनुप्रिया के शब्दों में, "वो बचपन से विजुअली इम्पेयर्ड हैं, नेत्रहीन हैं। मैं चाहती थी कि अगर वो प्यार को महसूस कर सकते हैं, तो मैं चाहती हूं कि वो प्यार को देख भी सकें।" सुनील के इलाज में मध्य प्रदेश सरकार की भूमिका का भी अनुप्रिया ने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भी उन्हें सहयोग मिल रहा है।

अनुप्रिया ने कहा, "इस बार मुझे बहुत खुशी है कि भैया के साथ ना हो मैं हूं, बल्कि पूरा का पूरा गवर्नमेंट है। भारत पूरा उनके साथ है।" हालांकि, अभी किस अस्पताल में इलाज होगा, यह तय नहीं हुआ है।

'मैं चाहती हूं कि सुनील प्यार को महसूस ही नहीं करें, देख भी सकें'

सुनील लोधी बचपन से दृष्टिबाधित हैं। अनुप्रिया ने कहा कि सुनील से बातचीत के दौरान उन्हें उनकी सोच और आस्था ने बहुत प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद सुनील अपनी सफलता और जीवन में मिले प्यार का श्रेय हनुमान जी को देते हैं। अनुप्रिया ने कहा, "जब मैं सुनील भैया से बात करती हूं, तो मैं ये महसूस करती हूं कि लोगों में इतना फ्रस्ट्रेशन रहता है।



फिल्म हनुमान अंश की प्रोड्यूसर अनुप्रिया नागर।

'बहन होने के नाते मैं उन्हें अपना भाई मानती हूं'

अनुप्रिया ने कहा कि वह सुनील को सिर्फ एक कलाकार के तौर पर नहीं देखतीं, बल्कि उन्हें अपना भाई मानती हैं। उन्होंने कहा, "बहन होने के नाते मैं तो उनको अपना भाई ही मानती हूं। वो खुद एक यंगस्टर हैं और उनमें इतना टैलेंट कूट-कूटकर भरा है। मुझे लगा कि क्यों न हम उनकी मदद करें।"

एससीओ की बैठक में शामिल हुए, पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

ऑपरेशन सिंदूर के डेढ़ साल बाद पाकिस्तान पहुंचे भारतीय अधिकारी

बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने SCO की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के SCO को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले SCO के कार्यक्रमों, आने वाली बैठकों की तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले SCO शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है। शंघाई सहयोग संगठन (SCO) एक क्षेत्रीय अंतर-राष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गीजस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में ईरान भी इसका सदस्य बना। SCO का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है।



पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत

भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में SCO की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत SCO के मंच पर पाकिस्तान के साथ सहयोग जारी रखेगा, लेकिन दोनों देशों के बीच अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी। भारत का रुख रहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए आतंकवाद से मुक्त माहौल जरूरी है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले और इसके बाद मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए सैन्य टकराव के बाद भारत ने कहा था कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते।



SCO देशों के अधिकारियों ने इस्लामाबाद में कोऑर्डिनेटर्स बैठक में हिस्सा लिया।



विदेश मंत्री जयशंकर 15 अक्टूबर 2024 को SCO बैठक के लिए इस्लामाबाद पहुंचे थे।

2024 में जयशंकर भी पाकिस्तान गए थे

विदेश मंत्री एस. जयशंकर अक्टूबर 2024 में SCO शिखर सम्मेलन में शामिल होने पाकिस्तान गए थे। वे करीब 9 साल बाद पाकिस्तान जाने वाले पहले भारतीय विदेश मंत्री थे। इससे पहले दिसंबर 2015 में तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज पाकिस्तान गई थीं।

पाकिस्तान ने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को SCO शिखर सम्मेलन के लिए न्योता भेजा था, लेकिन भारत की ओर से जयशंकर इसमें शामिल हुए थे। सम्मेलन के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने SCO नेताओं के लिए डिनर रखा था। इस दौरान शरीफ और जयशंकर की मुलाकात हुई और दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया। हालांकि, उनके बीच क्या बातचीत हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई थी।

एस्सार ग्रुप अमेरिका में ₹1.5 लाख करोड़ का निवेश करेगा

आयोवा में सबसे बड़ा स्टील प्लांट लगेगा, 2030 से शुरू होगा प्रोडक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय एस्सार ग्रुप अमेरिका में 18 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका के आयोवा राज्य में 15 बिलियन डॉलर की लागत से बनने वाले एक स्टील प्लांट पर खर्च होगा। ये अमेरिका का सबसे बड़ा स्टील प्लांट होगा। यह प्लांट अमेरिका के आयोवा राज्य में लगेगा, जिसमें 15 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा।

वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हुए एक कार्यक्रम के दौरान ट्रम्प ने एस्सार ग्रुप के को-फाउंडर रवि रुइया और उनके बेटे रेवंत रुइया की मौजूदगी में इस बड़े प्रोजेक्ट का ऐलान किया। इस स्टील प्लांट का निर्माण एस्सार ग्रुप की अमेरिकी कंपनी मेसाबी मेटालिक्स करेगी। वाइट हाउस के एक अधिकारी के अनुसार, प्लांट में साल 2030 तक स्टील का उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

तैयार होने के बाद यह प्लांट हर साल 1 करोड़ टन स्टील बनाएगा। इस प्रोजेक्ट के जरिए आयोवा राज्य में करीब 1,750 परमानेंट नौकरियां मिलेंगी। वाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में पिछले 50 सालों में शुरू होने वाली यह पहली नई आयरन ओर खदान है।



ट्रम्प ने एस्सार ग्रुप के को-फाउंडर रवि रुइया और उनके बेटे रेवंत रुइया से मुलाकात की।

फास्ट न्यूज

फूड प्रोडक्ट पर लिखना होगा इसमें आर्टिफिशियल स्वीटनर है

नई दिल्ली। चिप्स और कोल्ड्रिंक जैसे खाने-पीने के प्रोडक्ट में अगर आर्टिफिशियल स्वीटर यानी बिना कैलोरी वाली मिठास है तो कंपनी को पैकेट के सामने चेतावनी देनी होगी। इसमें लिखना होगा- 'CONTAIN NON CALORIC SWEETENER यानी इसमें आर्टिफिशियल स्वीटनर मिला है।' पहले यह जानकारी पैकेट के पीछे छोटे अक्षरों में होती थी।

पीओके के लोग बोले- हमें भारत का रास्ता दो, तारबंदी हटाओ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में आजादी की आवाजें तेज हो गई हैं। LoC (नियंत्रण रेखा) से लगभग 7 किमी दूर मंधोल में 25 हजार लोग इसके लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि हम भारत से मिलना चाहते हैं।

पाक पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर के खिलाफ नारे गूंज रहे हैं। जॉइंट अवामी लीग (JAL) के नेताओं ने ऐलान किया है कि पाक सरकार को पुंछ और मेंढर का रास्ता खोलना होगा। ये रास्ता भारत की ओर जाता है।

सबसे ताकतवर रॉकेट 'स्टारशिप' का 14वां टेस्ट कामयाब

नई दिल्ली। इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का सबसे ताकतवर रॉकेट 'स्टारशिप' आज 28 सितंबर को पहली बार पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा। 26 सैटेलाइट भी ऑर्बिट में लॉन्च किए गए। शुरुआती योजना के तहत स्टारशिप को करीब 10 घंटे तक पृथ्वी के चक्कर लगाना था, लेकिन मिशन के दौरान किए गए रिव्यू के बाद कंट्रोलर्स ने इसे जल्दी खत्म करने का फैसला किया।

सेंसेक्स 243 अंक गिरकर 72,529 पर बंद

निफ्टी भी 64 अंक नीचे आया, लगातार आठवें हफ्ते गिरावट जारी

मुंबई, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार यानी 29 सितंबर को भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी देखने को मिली। सेंसेक्स 243 अंक की गिरावट के साथ 72,529 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 64 अंक टूटकर 22,716 पर आ गया। बाजार में लगातार आठवें हफ्ते गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के दौरान ऑटो, FMCG, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, IT और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खास तौर पर बिकवाली का दबाव देखा गया। वैश्विक स्तर पर बने तनाव और निवेशकों की सतर्कता का असर घरेलू बाजार के कारोबार पर भी दिखाई दिया। मंगलवार के कारोबार के अंत में सेंसेक्स 243 अंक गिरकर 72,529 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 64 अंकों की गिरावट दर्ज की गई और यह 22,716 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट देखने को मिली। इससे पहले सोमवार यानी 28 सितंबर को भी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। उस दिन सेंसेक्स 1,124 अंक टूटकर 72,772 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 360 अंकों की गिरावट आई थी और यह 22,780 के स्तर पर बंद हुआ था। मंगलवार के कारोबार में कई प्रमुख सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली रही। ऑटो, FMCG, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, IT और रियल्टी सेक्टर में निवेशकों का दबाव देखने को मिला। इन सेक्टरों में बिकवाली बढ़ने से बाजार के प्रमुख सूचकांकों पर भी असर पड़ा।



इसका रिश्तों पर असर पड़ता है, पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ा रहा है वॉशिंगटन

अमेरिका आतंकवाद पर भारत की चिंता नहीं समझता : जयशंकर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका आतंकवाद पर भारत की चिंता को ठीक से नहीं समझता। इसका असर रिश्तों पर पड़ता है।

उन्होंने कहा कि भारत दशकों से पाकिस्तान की ओर से होने वाले आतंकवाद का सामना कर रहा है। जयशंकर ने यह बयान सोमवार को न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में दिया। इसमें भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों और विदेश नीति के जानकारों ने हिस्सा लिया। विदेश मंत्री का बयान ऐसे समय आया है, जब पिछले एक साल में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच नजदीकी बढ़ी है।



जयशंकर बोले- अमेरिका से कई देशों के संबंध मुश्किल हुए

अमेरिका के पूर्व राजनयिक डेनियल रसेल ने जयशंकर से पूछा कि व्यापार और टैरिफ को लेकर पिछले एक साल में भारत-अमेरिका के रिश्तों में आई खटास को कैसे दूर किया जा सकता है। इस पर जयशंकर ने कहा कि दुनिया के कई देशों के लिए अमेरिका के साथ रिश्ते पहले के मुकाबले मुश्किल हुए हैं।

'भारत का डिप्लोमेसी मॉडल अपना रहा अमेरिका'

जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका भारत की रणनीतिक स्वायत्ता वाला डिप्लोमेसी मॉडल अपना रहा है। इसी नीति के तहत अमेरिका एक साथ चीन, रूस, यूक्रेन, यूरोप और एशिया के दूसरे देशों के साथ अपने रिश्ते संभाल रहा है। जयशंकर ने कहा कि जिस तरह की नीति के लिए पहले भारत की आलोचना की जाती थी, आज अमेरिका उसी तरीके से अपनी विदेश नीति चला रहा है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका जैसी बड़ी ताकत इस तरह की नीति अपनाती है, तो यह सिर्फ उसकी विदेश नीति का मामला नहीं रह जाता।

4F संकट

रसोई से लेकर जेब तक असर

'4F संकट' का मतलब है भोजन, ईंधन, खाद और पैसे से जुड़ी कमी या महंगाई।

1. Food (भोजन)
खाने-पीने की चीजें महंगी होने से राशन का खर्च बढ़ जाता है। परिवारों को अपने बजट में कटौती करनी पड़ सकती है।

2. Fuel (ईंधन)
पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस महंगी होने से घर चलाने और आने-जाने का खर्च बढ़ सकता है।

3. Fertiliser (खाद)
खाद महंगी होने या समय पर नहीं मिलने से किसानों की खेती का खर्च बढ़ सकता है। इसका असर फसलों की पैदावार और अनाज-सब्जियों की कीमतों पर पड़ सकता है।

4. Finance (वित्त)
कारोबार के लिए कर्ज मिलना महंगा होने या कमाई घटने से लोगों के लिए खर्च चलाना और बचत करना मुश्किल हो सकता है।

सोना दो दिन में ₹5 हजार सस्ता हुआ

1 किलो चांदी की कीमत ₹11 हजार कम हुई, ₹2.22 लाख पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी आज यानी 29 सितंबर को सस्ता हुआ है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी IBJA के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 580 रुपए गिरकर 1.47 लाख रुपए पर आ गया है। एक किलो चांदी 1,373 रुपए सस्ती होकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई है। दो दिनों में ही सोने की कीमत में करीब 5 हजार रुपए और चांदी की कीमत मे 11 हजार रुपए की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है: अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है। अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है। निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं।



ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

●**सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें:** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

●**कीमत क्रॉस चेक करें:** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।



सितंबर में सोना 9 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती हुई

सितंबर में अब तक 29 दिनों में सोना 9 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई है। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो अब 1.47 लाख रुपए पर आ गया है। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

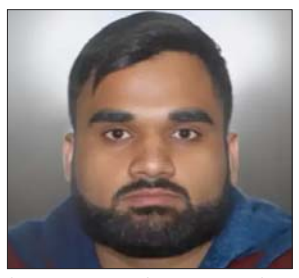
- **मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- **स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- **क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

अमेरिका में गोल्डी बराड़ पर ₹10 करोड़ का इनाम

एफबीआई की टॉप-10 मोस्ट वॉन्टेड लिस्ट में, लॉरेंस गैंग से जुड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को टॉप 10 मोस्ट वॉन्टेड की सूची में शामिल किया है। बराड़ की जानकारी देने वाले को 10 लाख डॉलर (करीब 9.5 करोड़ रुपए) तक का इनाम देने की घोषणा की गई है। बराड़ को लॉरेंस ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप का उत्तरी अमेरिका में प्रमुख ऑपरेशनल लीडर बताया गया है। लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ पर 2023 में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप है। अमेरिका ने इसी साल जुलाई में निज्जर की हत्या को लेकर पहली बार चार्जशीट दाखिल की थी। अमेरिकी सरकार के मुताबिक, लॉरेंस भारतीय जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क चला रहा था। वह जेल में तस्करी से पहुंचाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट कॉलिंग डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों का निर्देश देता था। पूरे अमेरिकी आरोप पत्र और प्रेस रिलीज में भारत सरकार, RAW, NIA या किसी भारतीय सरकारी अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया। आरोप केवल कथित आपराधिक गिरोहों और उनके सदस्यों पर हैं। अमेरिका, कनाडा और यूरोप ने संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' चलाकर भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की। इसमें 37 लोगों पर आरोप लगाए गए और 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अमेरिका, कनाडा और यूरोप ने संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन हार्ड बॉल' चलाकर भारत से जुड़े तीन अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की। इसमें 37 लोगों पर आरोप लगाए गए और 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया।



एयरस्ट्राइक : सेना ने बाजार के पास बम गिराए, विद्रोही गुट के कब्जे में है यह इलाका, 58 लोग घायल

म्यांमार ने रखाइन राज्य में एयरस्ट्राइक की, 49 की मौत

नेपीदा, एजेंसी

म्यांमार की सेना ने सोमवार को पश्चिमी रखाइन राज्य में एक बाजार के पास एयरस्ट्राइक की। इसमें कम से कम 49 लोगों की मौत हो गई और 58 लोग घायल हुए हैं। यह इलाका ताकतवर विद्रोही संगठन अराकान आर्मी के कब्जे में है। हमले के वक्त बाजार में दुकानदारों और ग्राहकों की भीड़ थी। अराकान आर्मी ने हमले में लोगों के मारे जाने की जानकारी दी है अराकान आर्मी ने मंगलवार तड़के जारी बयान में कहा कि वह हमले के लिए जिम्मेदार लोगों और संगठनों के खिलाफ जल्द जवाबी कार्रवाई करेगी। संगठन ने आरोप लगाया कि जानबूझकर किए गए हवाई हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों की जान गई है। म्यांमार की सेना ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सेना पहले कहती रही है कि उसके हवाई हमलों का निशाना केवल सैन्य ठिकाने होते हैं। वह सैन्य शासन का विरोध करने वाले संगठनों पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप भी लगाती रही है।



सेना की पाबंदियों से खाने-पीने की चीजों की कमी

रखाइन में लड़ाई तेज होने के बाद म्यांमार की सेना ने व्यापारिक रास्तों पर कड़ी पाबंदियां लगा दी हैं। इससे इलाके में खाने-पीने की चीजों की कमी बढ़ गई है। इससे पहले दिसंबर में रखाइन के म्राउक-यू टाउनशिप में एक अस्पताल पर हुए हवाई हमले में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई थी और 80 लोग घायल हुए थे।

अराकान आर्मी के मुताबिक, सेना के लड़ाकू विमान ने बाजार के पास दो बम गिराए। घायलों में 22 की हालत गंभीर है। हालांकि, म्यांमार की सेना ने हमले पर कोई बयान नहीं दिया है।



2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद से संघर्ष जारी

म्यांमार में 1 फरवरी 2021 को सेना ने आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटा दिया था। इसके बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। सुरक्षा बलों ने इन प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबाया, जिसके बाद सैन्य शासन के कई विरोधियों ने हथियार उठा लिए। तब से देश के बड़े हिस्से में संघर्ष जारी है।



टाटा संस को लिस्टिंग से बचाएगा दो कंपनियों का मर्जर

80 साल पुराने मॉडल पर लौटेगा ग्रुप, आरबीआई के नियमों से छूट मिलेगी

मुंबई, एजेंसी

टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्ट होने से बचाने के लिए टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने नया प्लान बनाया है। इस प्लान के तहत टाटा की दो अलग कंपनियों- टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स का टाटा संस के साथ मर्जर किया जाएगा। मर्जर के बाद टाटा संस एक वित्तीय निवेश कंपनी के बजाय ऐसी कंपनी बन जाएगी जो खुद भी सेवाएं या सामान बनाती और बेचती है। ऐसा करने से टाटा संस RBI के कड़े नियमों के दायरे से बाहर हो जाएगी। इससे उस पर शेयर बाजार में लिस्ट होने का कानूनी दबाव भी खत्म हो जाएगा और टाटा समूह अपनी होल्डिंग कंपनी का नियंत्रण पूरी तरह अपने पास बनाए रख सकेगा। अपने 100 साल के सफर में 80 साल तक टाटा संस ने इसी तरह खुद का बिजनेस चलाया है। टाटा ट्रस्ट्स के सलाहकार और टाटा संस के पूर्व कंपनी सेक्रेटरी एफ एन सुबेदार के मुताबिक, यह कोई नया प्रयोग नहीं बल्कि टाटा संस के पुराने बिजनेस मॉडल में वापसी है। 2004 में TCS को अलग करने से पहले, इसका पूरा बिजनेस टाटा संस के तहत ही चलता था। TCS के अलग होने के बाद ही टाटा संस पूरी तरह से एक कोर इनवेस्टमेंट कंपनी (CIC) बनी थी। RBI के 'अपर-लेयर NBFC' नियमों के मुताबिक, जिस कंपनी की कुल संपत्तियों और कमाई का 50% से अधिक हिस्सा पैसो के लेनदेन या निवेश जैसे वित्तीय कामों से आता है।



तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96